लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

20 नवम्बर 2026 शुक्रवार
वर्ष : 20 अंक: 136
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

हिन्दी दैनिक



www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com



केंद्र ने सही नीतियों से बीते 12-13 वर्षों में करीब 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी,नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपनी सही नीतियों से केवल बीते 12–13 वर्षों में करीब 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने फिक्की की वार्षिक आम बैठक और वार्षिक सम्मेलन में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 1970 के दशक में, जब गरीबी हटाओ का नारा दिया गया था, तब भारत की जनसंख्या लगभग 50 करोड़ थी। उस समय भी गरीबी को खत्म किया जा सकता था, लेकिन फिक्की इस बात का गवाह है कि उस समय की नीतियों में कमियां थीं और दुर्भाग्य से, सही इरादे की भी कमी थी। जब हमने सही नीतियों और सही इरादे के साथ काम किया, तो महज 12–13 वर्षों में 50 करोड़



लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने इंडस्ट्री से अपील करते हुए कहा कि अगले 20 वर्षों में अपने हर दीर्घकालिक निवेश निर्णय में इंडिया फर्स्ट को अपना आधार बनाएं। इससे देश आत्मनिर्भर बनेगा और आपके व्यापार की वृद्धि के लिए भी नया अवसर खुलेगा।

साथ ही कहा कि इंडस्ट्री के लिए भी जरूरी है कि वो आत्मचिंतन करें और तय करें अगले 20 वर्षों में क्या हासिल करना है और 2047 विकसित भारत में कैसे योगदान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज जब देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर आगे बढ़ रहा है, तो सरकार भी आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है। उन्होंने इंडस्ट्री से कहा कि आपका पुरानी सरकारों का अनुभव इतना खट्टा है कि उसका खामियाजा मुझे भुगतना पड़ रहा है। यह पुरानी सरकार नहीं है, यह दोस्त सरकार है।

यह दोस्ती निभाना जानती है और आप मेरे सच्चे दोस्त हैं। इसलिए बिना संकोच, बिना झिझक, मुझे खुलकर लिखकर भेजिए कि अभी भी क्या सुधार जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने आजम खान की अंतरिम जमानत में दखल देने से किया इनकार, ईडी की याचिका खारिज की

एजेंसी,नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) नेता मोहम्मद आजम खान को मिली अंतरिम जमानत के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया। यह मामला रामपुर में मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े 426 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस का है। जस्टिस एम.एम. सुंदेश और जस्टिस पी.बी. वराले की बेंच ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर एक विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) का निपटारा कर दिया। ईडी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के 17 नवंबर के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें खान को 10 दिसंबर तक अंतरिम जमानत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चूंकि हाई कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश पारित किया है इसलिए वह इस चरण में इसमें दखल नहीं देना चाहता। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि हाई कोर्ट की शुरुआती टिप्पणियों का मामले के अंतिम फैसले पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। ईडी की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस.वी. राजू ने हाई



कोर्ट के उन निष्कर्षों पर सवाल उठाया, जिनमें कहा गया था कि खान को गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए गए थे। उन्होंने तर्क दिया कि तथ्यों को गलत तरीके से दर्ज किया गया था। एएसजी राजू ने कहा कि गिरफ्तारी के आधार खान को बताए गए थे, लेकिन उन्होंने उन्हें स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। एक वीडियो रिकॉर्डिंग और पंचनामे का हवाला देते हुए केंद्र सरकार के वकील ने तर्क दिया कि अंतरिम जमानत देते समय हाई कोर्ट ने संबंधित तथ्यों पर ठीक से गौर नहीं किया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने खान को मिली राहत में दखल देने से इनकार कर दिया और ईडी की याचिका का निपटारा कर दिया।

जयपुर हवाई अड्डे की सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास, दीवार फांदकर अंदर घुसा युवक

एजेंसी,जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश करते हुए एक युवक टर्मिनल–2 के पास दीवार फांदकर परिसर में घुस गया। हालांकि, केंद्रीय औद्योगिकी सुरक्षा बल के सतर्क जवानों ने उसे पकड़कर



पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि घटना 17 नवंबर की रात की है। आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी नंदा दुलाल दास (40) के रूप में हुई है। एयरपोर्ट थानाधिकारी विनोद कुमार वर्मा ने बताया कि आरोपी टर्मिनल–2 के पास दीवार फांदकर हवाई अड्डे में घुसने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान वहां तैनात सीआईएसएफ के एक जवान की उस पर नजर पड़ गई। जवान ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह परिसर में घुस गया। सीआईएसएफ ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पास की एक बंगाली बस्ती में घुस गया था। कुछ लोग उसका पीछा कर रहे थे और उनसे बचने के लिए वह हवाई अड्डे की दीवार फांदकर अंदर चला गया। आरोपी के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की बात भी सामने आई है। सीआईएसएफ के सहायक उप निरीक्षक श्रवण कुमार की शिकायत पर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री का निधन

एजेंसी,मालदा । पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री अबू नासिर खान चौधरी का बृहस्पतिवार को कोलकाता के एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चौधरी 92 वर्ष के थे। लेबूबाबू के नाम से मशहूर चौधरी पूर्व केंद्रीय मंत्री एबीए गनी खान चौधरी के छोटे भाई थे, जिन्होंने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की सरकारों के दौरान कार्य किया था। चौधरी के रिश्तेदार एवं मालदा दक्षिण से कांग्रेस सांसद ईशा खान चौधरी ने बताया कि वह उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। चौधरी मालदा की सुजापुर विधानसभा सीट से दो बार कांग्रेस विधायक रह चुके थे। उन्होंने 2011 में सत्ता में आई ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पहली सरकार में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया था।

किसानों को उपज का बेहतर समर्थन मूल्य मिल रहा : उपेंद्र प्रताप सिंह

वाराणसी,संवाददाता। भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय समिति के नव नियुक्त सह कोषाध्यक्ष उपेंद्र सिंह का विकासखंड आराजी लाइन के कई गांवों में स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के जल्द समाधान के लिए वे हमेशा तैयार रहेंगे। उपेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं। उनके मुताबिक, किसानों की आय दोगुनी से अधिक बढ़ी है और अब उपज का बेहतर समर्थन मूल्य मिलता है। उन्होंने कहा कि बिचौलियों का सफाया हो गया है। सरकार किसानों को डीबीटी के जरिए सभी सुविधाएं देती है।

ग्रेटर नोएडा पुलिस की त्वरित कार्रवाई, नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को मुठभेड़ में महज दो घंटे के भीतर दबोचा

संवाददाता,ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने आए परिवार की नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने कई टीमें गठित कर महज दो घंटे के भीतर आरोपी को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान रोहित के रूप में हुई है। वह पीड़ित किशोरी के मामा का दोस्त बताया जा रहा है। पीड़िता आरोपी को मामा कहकर बुलाती थी और पहले से उसे



जानती थी। बताया जा रहा है कि परिवार के लोग एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान आरोपी युवक नाबालिग बच्ची को बहला–फुसलाकर अपने साथ खेत की ओर ले गया। आरोप है कि वहां उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पीड़िता के परिजनों ने पुलिस को शिकायत दी। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

पहले टेस्ट में जडेजा की जगह सुंदर को तरजीह

एजेंसी,वेलिंग्टन । भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच वेलिंग्टन के बेसिन रिजर्व में खेला जा रहा है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने 5 विकेट खोकर 243 रन बना लिए हैं। भारत ने अपनी प्लेइंग इलेवन में रवींद्र जडेजा को नजरअंदाज करते हुए वॉशिंगटन सुंदर को जगह दी है। टीम के बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने इसके पीछे का कारण बताया है। जाहिर है कि यह सिर्फ पहली पारी की बात नहीं है, बल्कि दूसरी पारी के लिए भी है।

जीटीए-6 में अपराधी जोड़ी भी है : जयराम रमेश

एजेंसी,नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो गेम ग्रैंड



थेफ्ट ऑटो–6 (जीटीए–6) का उल्लेख किए जाने पर आज तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा ऐसा करना उचित ही है, क्योंकि इस वीडियो गेम में एक अपराधी जोड़ी की कहानी दिखाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर इस गेम का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत एक बिल्कुल नया खेल खेल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने जीटीए–5 और जीटीए–6 के बीच, यह है कैसे शीर्षक से 10 स्लाइड साझा कीं। इन स्लाइड के माध्यम से प्रधानमंत्री ने वर्ष 2013 में जारी वीडियो गेम ग्रैंड थेफ्ट ऑटो–5 और अब जारी हुए इसके अगले संस्करण ग्रैंड थेफ्ट ऑटो–6 के बीच भारत में विकास कार्यों के संदर्भ में तुलना की।



यूपी-34 प्रीमियर लीग सीजन-2 के चौथे दिन रोमांचक मुकाबलों की धूम पांच मैचों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

अमन स्ट्राइकर्स ने दर्ज की दो शानदार जीत, राज महोली ने मुनीर इलेवन को रोमांचक मुकाबले में ३ रन से हराया

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। राजा कॉलेज मैदान में आयोजित यूपी–34 प्रीमियर लीग सीजन–2 (2026) के चौथे दिन क्रिकेट प्रेमियों को पांच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। मैदान पर बल्लेबाजों ने चौके–छक्कों की बरसात की तो गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दिन के मुकाबलों में अमन स्ट्राइकर्स ने दो शानदार जीत दर्ज की जबकि राज महोली ने मुनीर इलेवन को बेहद रोमांचक मुकाबले में तीन रन से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के अध्यक्ष एवं ब्रांड एंबेसडर सागर गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता में चौथे दिन पांच मुकाबले खेले गए।



बॉम्बे जायका ने 9 विकेट से दर्ज की जीत

15वें मुकाबले में सीतापुर थंडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवर में सात विकेट खोकर 117 रन बनाए। गोलू ने 28 और सचिन ने 25 रन बनाए। जवाब में बॉम्बे जायका ने 6.1 ओवर में एक विकेट खोकर 119 रन बनाते हुए नौ विकेट से जीत हासिल की। आमिर भैयू ने महज 15 गेंदों पर नाबाद 61 रन की विस्फोटक पारी खेली। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

अमन स्ट्राइकर्स ने राज महोली को 6 विकेट से हराया

16वें मुकाबले में राज महोली की टीम 7.5 ओवर में 75 रन पर ऑलआउट हो गई। विशाल ने 35 रन बनाए। अमन स्ट्राइकर्स की फातिमा ने 14 रन देकर चार विकेट और रोशन ने तीन विकेट हासिल किए। जवाब में अमन स्ट्राइकर्स ने आठ ओवर में चार विकेट पर 78 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। रोशन ने 36 और जैदान ने 26 रन बनाए। शानदार प्रदर्शन के लिए रोशन को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

मुनीर इलेवन ने 45 रन से मुकाबला जीता

17वें मैच में मुनीर इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवर में दो विकेट पर 121 रन बनाए। गोपा ने 25 गेंदों पर नाबाद 58 रन और मेहताब ने 30 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लीजेंड्स इलेवन की टीम आठ ओवर में छह विकेट पर 76 रन ही बना सकी। मुनीर इलेवन के मन्नू ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 रन देकर तीन विकेट झटके। गोपा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

अमन स्ट्राइकर्स ने 65 रन से दर्ज की धमाकेदार जीत

18वें मुकाबले में अमन स्ट्राइकर्स ने बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ ओवर में दो विकेट पर 171 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जैदान ने महज 22 गेंदों पर नाबाद 84 रन और रोशन ने 21 गेंदों पर 66 रन बनाए। जवाब में लीजेंड्स इलेवन की टीम आठ ओवर में सात विकेट पर 106 रन ही बना सकी। अमन स्ट्राइकर्स के अदीप ने 25 रन देकर चार विकेट हासिल किए। जैदान को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

राज महोली ने मुनीर इलेवन को 3 रन से हराया

19वें मुकाबले में राज महोली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवर में पांच विकेट पर 98 रन बनाए। जीशान ने 22 गेंदों पर शानदार 51 रन और ऋषभ ने 33 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुनीर इलेवन की टीम आठ ओवर में चार विकेट पर 95 रन ही बना सकी। इस तरह राज महोली ने तीन रन से रोमांचक जीत दर्ज की। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाले जीशान को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने बल्लेबाजी में 51 रन बनाने के साथ गेंदबाजी में एक विकेट भी हासिल किया।

अतिथियों की मौजूदगी से खिलाड़ियों का बढ़ा उत्साह

प्रतियोगिता के चौथे दिन विभिन्न क्षेत्रों से आए सम्मानित अतिथियों ने मैदान पर पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। टूर्नामेंट के अध्यक्ष एवं ब्रांड एंबेसडर सागर गुप्ता ने सभी टीमों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के खेल आयोजन युवा प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं। खेलों से युवाओं में अनुशासन टीम भावना और आपसी भाईचारे की भावना मजबूत होती है।

आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया। चौथे दिन खेले गए पांचों मुकाबलों में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने यूपी–34 प्रीमियर लीग के रोमांच को और बढ़ा दिया।

पीकेसी क्लब ने यूसीसी क्लब को 48 रनों से हराया, आयुष यादव बने मैन ऑफ द मैच

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। जिला क्रिकेट एसोसिएशन, उन्नाव द्वारा आयोजित डॉ. सुखदेव प्रसाद गुप्ता अंडर–16 जनपदीय क्रिकेट लीग 2026–27 के अंतर्गत आज एसआरएमएस क्रिकेट ग्राउंड आशा खेड़ा नवाबगंज उन्नाव में पीकेसी क्लब एवं यूसीसी क्लब के मध्य मुकाबला खेला गया।मैच में टॉस जीतकर यूसीसी क्लब ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पीकेसी क्लब ने निर्धारित 35 ओवरों के मुकाबले में 164 रनों का स्कोर खड़ा किया। जिसमें अर्नेश कार्तिक ने 45, कृष्णा सोनी ने 33तथा अनुपम तिवारी ने 21 रनों का योगदान दिया यू सी सी की ओर से गेंदबाजी करते हुए वैदिक सिंह ने 5, नैतिक ने 2 तथा शौर्य, शाश्वत व सूर्यांश ने एक–एक विकेट प्राप्त किया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूसीसी क्लब की टीम पीकेसी क्लब के गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती नजर आई और 116 रन ही



बना सकी। जिसमें शौर्य मुक्तेश ने 33 तथा देवांश और शाश्वत ने 14–14 रनों का योगदान दिया। पी के सी की ओर से गेंदबाजी करते हुए हर्षवर्धन ने 3, आयुष यादव व सफीउल ने दो–दो विकेट प्राप्त किए।इस प्रकार पीकेसी क्लब ने मुकाबला 48 रनों से अपने नाम किया।मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले आयुष यादव को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जिला क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव राजेश कुमार ने दिया। इस अवसर पर महामंत्री पी के मिश्रा,जिला क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष व प्रतियोगिता मंत्री ओम मिश्रा ,शाकिर हुसैन प्रशिक्षक सुधीर आदि लोग मौजूद रहे।कल प्रतियोगिता का पांचवां लीग मैच यूथ क्लब और कोल्ट्स क्लब के मध्य एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी आशा खेड़ा नवाबगंज उन्नाव में प्रातः 9 बजे से खेला जाएगा।

जिला क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यातायात पुलिस ने स्कूल में छात्रों को यातायात नियम बताए



बस्ती,संवाददाता। बुधवार को बिहरा स्थित औद्योगिक विकास इंटर कॉलेज में यातायात जागरूकता कार्यक्रम हुआ। यातायात पुलिस टीम ने छात्रों और शिक्षकों को सड़क सुरक्षा के नियम बताए। यह कार्यक्रम यातायात माह के तहत सड़क हादसों में कमी लाने और लोगों को नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक श्याम कांत और क्षेत्राधिकारी यातायात कुलदीप यादव की निगरानी में अभियान चलाया जा रहा है। यातायात प्रभारी ने बताया कि 18 साल से कम उम्र के बच्चे बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के दोपहिया या चारपहिया वाहन न चलाएं।

दोपहिया वाहन पर चालक और पीछे बैठने वाले, दोनों को आईएसआई मार्क वाला हेलमेट पहनना चाहिए। कार में सीट बेल्ट लगाना जरूरी है। छात्रों को लाल, पीली और हरी बत्ती, जेब्रा क्रॉसिंग और तय गति सीमा का पालन करने की जानकारी दी गई। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन या ईयरफोन का इस्तेमाल न करने को भी कहा गया। कार्यक्रम में गुड सेमेरिटन यानी नेक आदमी योजना के बारे में बताया गया। यातायात प्रभारी ने सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की तुरंत मदद करने और उसे गोल्डन आवर में अस्पताल पहुंचाने की बात कही। अंत में छात्रों ने यातायात नियमों का पालन करने और अभिभावकों, परिजनों व आस–पड़ोस के लोगों को भी जागरूक करने की शपथ ली। कार्यक्रम में स्कूल के प्रधानाचार्य, शिक्षक और यातायात पुलिस के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

खौलती सब्जी में गिरने से मासूम झुलसा



बहराइच,संवाददाता। बौंडी थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। घर में खेलते समय चूल्हे के पास पहुंचे ढाई साल के मासूम के ऊपर गरम सब्जी की कढ़ाई पलट गई। इस हादसे में बच्चे के हाथ और पेट का हिस्सा गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों ने आनन–फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, बौंडी क्षेत्र के घूर देवी इलाके में रहने वाले संतु का ढाई वर्षीय बेटा मोहित बुधवार देर रात घर के भीतर खेल रहा था। खेलते–खेलते वह पास ही जल रहे चूल्हे के करीब पहुंच गया। इसी दौरान मासूम ने चूल्हे पर रखे सब्जी के बर्तन पर हाथ मार दिया, जिससे खौलती हुई गरम सब्जी की कढ़ाई अनियंत्रित होकर सीधे उसके ऊपर पलट गई। गरम सब्जी गिरते ही बच्चा दर्द से चीखने लगा। बच्चे की चीख–पुकार सुनकर परिजन दौड़े और उसे तुरंत स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे। वहां मौजूद चिकित्सकों ने बच्चे की स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार दिया ।

दो बाइकों की आमने–सामने भीषण भिड़ंत पांच लोग गंभीर घायल

♦ रामकोट–मधवापुर मार्ग पर लालपुर के निकट हुआ हादसा आधे घंटे बाद पहुंची पुलिस और एंबुलेंस।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। रामकोट थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। रामकोट–मधवापुर मार्ग पर लालपुर के निकट दो बाइकों की आमने–सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बाइकों पर सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो



गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों की मदद की और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूचना देने के करीब आधे घंटे बाद पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। इसके बाद सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। हादसे के चलते क्षेत्र में काफी देर तक अफरा–तफरी का माहौल बना रहा। फिलहाल सभी घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

नाबालिग से रेप का आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। बादलपुर थाना क्षेत्र में पारिवारिक कार्यक्रम में आई नाबालिग के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि परिवार के परिचित युवक ने बच्ची को बहला–फुसलाकर खेत में ले जाकर वारदात की। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने घटना के करीब दो घंटे बाद मुठभेड़ में आरोपी रोहित को गिरफ्तार कर लिया। वह पीड़िता के मामा का दोस्त बताया जा रहा है। मुठभेड़ में आरोपी घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता की हालत ठीक है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता परिवार के साथ एक कार्यक्रम में आई थी। इसी दौरान रोहित उसे अपने साथ खेत में ले गया। पीड़िता उसे पहले से जानती थी और मामा कहकर बुलाती थी। परिजनों की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया और आरोपी की तलाश में कई टीमें लगाईं

प्रमोशन के दस्तावेज जमा करने उमड़े शिक्षक बीएसए कार्यालय में धक्का-मुक्की

आगरा,संवाददाता। परिषदीय विद्यालयों में पात्र शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा विभाग ने अभिलेख जमा करने की अंतिम तिथि 19 नवंबर तय की थी। इसके तहत अशोक नगर स्थित कार्यालय में पूरे दिन शिक्षकों का जमघट लगा रहा। इस दौरान विभागीय प्लानिंग फेल नजर आई। पूरे दिन कार्यालय में अव्यवस्था रही। अन्य गुटों के शिक्षक औरा विभागीय कर्मचारियों में बहस भी हुई। शिक्षक अपने शैक्षिक और सेवा संबंधी दस्तावेज लेकर पहुंचे। कई शिक्षकों ने अन्य काम छोड़कर या बीएलओ ड्यूटी के बीच समय निकालकर दस्तावेज जमा कराए। विभाग ने विशेष व्यवस्था के तहत अलग–अलग काउंटर बनाए थे, लेकिन भारी भीड़ के कारण व्यवस्था पूरी तरह बिखर गई। कई काउंटर में धक्का–मुक्की हुई। एक दिन में सभी शिक्षकों को दस्तावेज जमा कराने की समयसीमा तय करने से अव्यवस्था और बढ़ गई। शिक्षकों का कहना है कि परीक्षाएं चल रही हैं, बीएलओ ड्यूटी भी करनी पड़ रही है और दस्तावेज भी



जमा कराने हैं।

ऐसे में एक ही दिन में इतनी बड़ी संख्या में शिक्षकों को बुलाए जाने से परेशानी हुई। पूरे दिन कार्यालय में अव्यवस्था रही। कुछ काउंटर में तो हंगामा होते बच गया है। शिक्षकों में गुस्सा साफ झलक रहा था। दस्तावेज जमा होने के बाद विभाग उनकी जांच और सत्यापन करेगा। सत्यापन में शिक्षकों के नियुक्ति पत्र, शैक्षिक योग्यता, टीईटी, स्पेशल टीईटी की स्थिति और सेवा विवरण की जांच की जाएगी। साथ ही यह देखा जाएगा कि शिक्षक की मूल नियुक्ति किस जनपद और किस तिथि को हुई थी। प्राथमिक स्तर की पदोन्नति के लिए प्राथमिक टीईटी तथा जूनियर स्तर के लिए संबंधित जूनियर टीईटी की अनिवार्यता भी जांच के दायरे में रहेगी। शिक्षकों ने अपनी तैयारी और दस्तावेज लेकर समय पर पहुंचकर पदोन्नति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सहयोग दिया है। अब सत्यापन के बाद योग्य शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ मिलने की उम्मीद है। विभाग को हालांकि बेहतर योजना और पर्याप्त समय देकर व्यवस्था सुधारने की जरूरत है, ताकि शिक्षकों को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

विश्व धरोहर दिवस पर ताजमहल में उमड़ी भीड़, फ्री एंट्री से खुश हुए विदेशी

आगरा,संवाददाता। विश्व धरोहर दिवस पर गुरुवार को ताजमहल में मुफ्त प्रवेश के चलते पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही देशी–विदेशी पर्यटकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। पश्चिमी गेट पर प्रवेश के लिए 200 मीटर से अधिक लंबी कतार लग गई। वहीं, पूर्वी गेट पर बैग स्कैनिंग मशीन खराब होने से सुरक्षा जांच में देरी हुई। सीआईएसएफ कर्मियों को बैग की मैनुअल चेकिंग करनी पड़ी। इससे पर्यटकों को अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ा। ताजमहल के पश्चिमी गेट पर प्रवेश के लिए दो लाइनें बनाई गई थीं, लेकिन दोनों पर पर्यटकों की लंबी कतारें लगी रहीं। लोग धूप में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। दूसरी ओर पूर्वी गेट स्थित वीआईपी प्रवेश द्वार पर अपेक्षाकृत कम भीड़ रही। हालांकि, यहां बैग स्कैनिंग मशीन खराब होने से सुरक्षा जांच की प्रक्रिया धीमी पड़ गई। पूर्वी गेट पर बैग स्कैनिंग मशीन खराब होने के कारण सीआईएसएफ कर्मियों को मैनुअल चेकिंग करनी पड़ी।



मशीन से एक मिनट में कई बैग स्कैन किए जा सकते हैं, जबकि मैनुअल जांच में एक बैग को चेक करने में दो से तीन मिनट लग रहे थे। इसके चलते खासकर महिला पर्यटकों को लाइन में इंतजार करना पड़ा। मुफ्त प्रवेश को लेकर विदेशी पर्यटकों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। ताजमहल परिसर दिनभर पर्यटकों से भरा रहा। लोग स्मारक की खूबसूरती निहारते और उसके साथ तस्वीरें खिंचवाते नजर आए। ब्रिटेन से आए पर्यटक टेरेंस ने कहा कि ताजमहल देखना उनके लिए अविश्वसनीय अनुभव रहा। जब उन्हें पता चला कि विश्व धरोहर दिवस पर प्रवेश मुफ्त है तो वह हैरान रह गए। बिना टिकट ताजमहल देखने का मौका मिलने पर उन्हें बेहद खुशी हुई। ब्रिटेन से आई महिला पर्यटक मेंडे ने कहा कि विश्व धरोहर दिवस पर मुफ्त प्रवेश की जानकारी पाकर अच्छा लगा। ताजमहल की खूबसूरती देखकर समझ आता है कि दुनिया भर में इसकी इतनी चर्चा क्यों होती है। यह बेहद खूबसूरत स्मारक है। विश्व धरोहर दिवस के साथ गुरुवार से विश्व धरोहर सप्ताह की शुरुआत भी हो गई। इस मौके पर ताजमहल में देशी और विदेशी पर्यटकों को मुफ्त प्रवेश दिया गया। बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भी स्मारक देखने पहुंचे। पर्यटकों ने मुफ्त प्रवेश का लाभ उठाकर दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल का दीदार किया।

कार की टक्कर से पेड़ सड़क पर गिरा

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। दनकौर–सिकंदराबाद रोड पर बिलासपुर कस्बे के पास गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि पेड़ टूटकर मुख्य सड़क पर गिर गया। उस समय वहां से गुजर रहे कई बाइक और कार सवार उसकी चपेट में आने से बच गए। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार दनकौर से बिलासपुर की ओर जा रही थी। रास्ते में दूसरे वाहन को बचाने की कोशिश में चालक ने नियंत्रण खो दिया। हादसे के बाद चालक कार समेत मौके से फरार हो गया। पेड़ हटाने के बाद पुलिस ने यातायात शुरू कराया। पेड़ टूटकर सड़क के बीचोंबीच गिरा तो वहां से गुजर रहे वाहन चालकों में अफरा–तफरी मच गई। कई बाइक और कार सवार पेड़ की चपेट में आने से बाल–बाल बच गए।

घायल मिले राजमिस्त्री की मौत, हत्या की आशंका

बस्ती,संवाददाता। नगर थाना क्षेत्र के रमवापुर कला गांव में गुरुवार सुबह घायल अवस्था में मिले 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पीआरवी टीम उन्हें एंबुलेंस से सीएचसी कप्तानगंज ले गई थी, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान रमवापुर कला गांव निवासी रामभवन पुत्र रामजग के रूप में हुई है। उनके भाई त्रिभुवन नगर थाने में चौकीदार हैं। त्रिभुवन के मुताबिक, रामभवन बुधवार शाम करीब चार बजे घर से निकले थे। इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। गुरुवार सुबह उनके घायल अवस्था में मिलने की सूचना मिली। गुरुवार सुबह करीब छह बजे घायल रामभवन मिलने की सूचना पर पीआरवी 5508 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने एंबुलेंस की मदद से उन्हें सीएचसी कप्तानगंज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रामभवन राजमिस्त्री का काम करते थे। परिवार में पत्नी विद्यावती देवी और करीब 14 साल का बेटा रामनिवास है। उनकी दो बहनों की शादी हो चुकी है। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। परिजनों की ओर से जताई गई हत्या की आशंका को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

राज्यमंत्री ने आईसीसीसी का किया उद्घाटन,15 मेधावियों को बांटे टैबलेट

अमेठी,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित दौरे से पहले स्वास्थ्य राज्यमंत्री और तिलोई विधायक मयंकेश्वर शरण सिंह ने कलेक्ट्रेट का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ परिसर की व्यवस्थाएं देखीं और साफ–सफाई, अभिलेखों के रखरखाव व जनसुनवाई बेहतर बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान 15 मेधावी छात्र–छात्राओं को टैबलेट भी वितरित किए। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और मुख्य विकास अधिकारी समेत जिला



स्तरीय अधिकारियों ने राज्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों, अभिलेखों और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों को साफ–सफाई बनाए रखने, फाइलों का उचित रखरखाव करने और जनसुनवाई को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें राज्यमंत्री ने जिले के 15 मेधावी छात्र–छात्राओं को टैबलेट वितरित किए। उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। राज्यमंत्री ने कलेक्ट्रेट परिसर में बने इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर (आईसीसीसी) का भी उद्घाटन किया। प्रशासन के मुताबिक, इस सेंटर से जिले की सुरक्षा, निगरानी और आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अमेठी दौरा इसी महीने के अंतिम सप्ताह या दिसंबर के पहले सप्ताह में संभावित है। दौरे के दौरान कलेक्ट्रेट, जिला जेल, पुलिस लाइन और मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण होना है।

शिखा पाण्डेय बनीं भाजपा महिला मोर्चा की क्षेत्रीय कार्यालय मंत्री

बस्ती,संवाददाता। शिखा पाण्डेय को भाजपा महिला मोर्चा के गोरखपुर क्षेत्र का क्षेत्रीय कार्यालय मंत्री नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के निर्देश पर बुधवार देर शाम जारी सूची में उनके नाम की घोषणा हुई। शिखा पाण्डेय लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़ी हैं। वह महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सेवा और पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय रही हैं।

नियुक्ति पर शिखा पाण्डेय ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह जिम्मेदारी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगी। महिला मोर्चा को बूथ स्तर तक मजबूत करना और अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को महिलाओं तक पहुंचाने के लिए भी काम करेंगी।

मतदाता पुनरीक्षण में पूरे ताकत से जुटें कार्यकर्ता : ब्रजेश पाठक

घर-घर जाकर बढ़ाएं वोट

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के नेतृत्व में एक बैठक आयोजित की गई। इसमें लखनऊ कैंट विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों ने सहभागिता की।



उप मुख्यमंत्री आवास पर आहूत बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप मतदाता सूची के पुनरीक्षण, मतदाता पंजीकरण, नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने तथा आवश्यक मतदाता फॉर्म भरने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारियां दी गईं। अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री पाठक ने कहा कि लोकतंत्र का महापर्व आने वाला है। यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को गंभीरता से लेते हुए घर-घर तक पहुंचना है और पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए जागरूक करना है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरी सक्रियता, जिम्मेदारी और समर्पण के साथ इस अभियान में जुटें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रह जाए।

बैठक में अभियान की सफलता के लिए आपसी समन्वय, जनजागरूकता और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, उपाध्यक्षगण विनायक पांडेय, योगेंद्र पटेल, विधानसभा प्रभारी रामदेव पाल, अभियान संयोजक मान सिंह, मानस बाहरी, राजन वर्मा, महेंद्र राजपूत, रूपा देवी, पार्षदगण सुशील तिवारी पम्मी, आशीष हितैषी, अमित चौधरी, गिरीश मिश्रा, नरेंद्र पाल, नूतन नायक, सरिता मिश्रा, पीयूष दीवान, उपाध्यक्ष छावनी परिषद प्रमोद शर्मा, विमल सिंह, ब्रजेंद्र सिंह पुतन्नी सिंह, अतुल सिंह, दिलीप गुप्ता, पवन लोधी, कुलदीप मिश्रा एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बच्ची की मौत

वाराणसी,संवाददाता। चोलापुर थाना क्षेत्र के लस्करपुर स्थित गिरी बस्ती में अज्ञात वाहन की टक्कर से करीब 2 से 3 साल की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची स्थानीय निवासी मोहित गिरी उर्फ लल्ली की बेटी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बच्ची घर के पास थी, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। चालक वाहन लेकर फरार हो गया। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। डायल-112 (पीआरवी) की टीम भी वहां पहुंची और लोगों से बात की। स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस फरार वाहन और चालक का पता लगाने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

यूपी को न दंगा प्रदेश बनने देंगे और न गुंडा प्रदेश : केशव प्रसाद मौर्य

♦ उपमुख्यमंत्री ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर साधा निशाना, राजनीतिक आचरण पर आत्ममंथन की दी सलाह

♦ कहा- जमानत मिलने का अर्थ आरोपों को भुलाना नहीं, वोट बैंक की राजनीति के लिए हो रहा महिमामंडन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश को अब न तो दंगा प्रदेश बनने दिया जाएगा और न ही गुंडा प्रदेश। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्य में कानून का राज है और अपराध व भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सपा नेता आजम खान का नाम लेते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालय से जमानत मिलने का अर्थ यह नहीं है कि किसी के अपराध या आरोपों को भुला दिया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत माता और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करने वाले व्यक्ति का पदक विजेता की तरह स्वागत और महिमामंडन करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव को अपने बयानों और राजनीतिक आचरण पर आत्ममंथन करना चाहिए, क्योंकि केवल वोट बैंक की राजनीति के लिए ऐसे कृत्यों का समर्थन करना सपा की सोच को उजागर करता है।

सपा के पूर्व कार्यकाल और राजनीतिक यात्राओं का जिक्र करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी राजनीतिक गतिविधि के दौरान यदि आम नागरिकों को नुकसान पहुंचता है या कोई दुर्घटना होती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को भी राजनीतिक संरक्षण की आड़ में कानून से खिलवाड़ करने की छूट नहीं मिलेगी।

सहकारिता क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी राज्य सहकारी महाविद्यालय की स्थापना : डा. जादौन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पहले राज्य सहकारी महाविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी मिलने पर उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ (न्चैब्क्ब्) के निदेशक डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर और प्रदेश सरकार का आभार जताया।

डॉ. जादौन ने कहा कि लखनऊ के रहमान खेड़ा में स्थापित होने वाला यह संस्थान प्रदेश के सहकारिता आंदोलन को नई ऊर्जा और आधुनिक दिशा देगा। यहां सहकारिता की



शिक्षा के साथ-साथ युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (।ै), साइबर क्राइम, कंप्यूटर मार्केटिंग और बैंकिंग जैसे आधुनिक व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा।

उन्होंने बताया कि गुजरात स्थित त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय से संबद्धता मिलने के कारण इस संस्थान को उच्च स्तरीय शैक्षणिक मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इससे प्रदेश के सहकारी बैंकों और समितियों को तकनीकी रूप से दक्ष एवं कुशल युवा मिल सकेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि यह महाविद्यालय युवाओं के कौशल विकास, नवाचार और रोजगार सृजन के नए अवसर खोलते हुए आत्मनिर्भर सहकारी व्यवस्था के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा।

विधायक ने बांटे ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर

वाराणसी,संवाददाता। खुशीपुर स्थित अमरावती पुरुषोत्तम राजकीय बहुउद्देशीय दिव्यांग संस्थान में गुरुवार को सहायक उपकरण बांटे गए। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राम प्रकाश सिंह के मार्गदर्शन में कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल और जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राम प्रकाश सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। डॉ. सुनील पटेल ने 179 दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, कान की मशीन, बैसाखी, एमआर किट और आईडी किट सहित सहायक उपकरण दिए।

बांगरमऊ में प्रेम विवाह के बाद युवती ने पुलिस से लगाई सुरक्षा की गुहार, परिजनों पर धमकी देने का आरोप

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में प्रेम विवाह का मामला सामने आया है। मोहल्ला मस्तू टोला निवासी अंजली ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर अपने पति और ससुरालीजनों को परेशान किए जाने से बचाने तथा सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार, अंजली बालिग है और उसकी जन्मतिथि 1 जनवरी 2005 है। उसका मोहल्ला नौनिहालगंज निवासी नयन से करीब दो वर्षों से प्रेम संबंध था। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन युवती का आरोप है कि उसके परिजन उसकी शादी कहीं दूसरी जगह



कराने का दबाव बना रहे थे। इसके चलते उसने करीब छह महीने पहले मंदिर में नयन के साथ विवाह कर लिया था। इसके बाद 13 नवंबर 2026 को उन्नाव कचहरी में लिखित वैवाहिक घोषणा पत्र भी तैयार कराया। युवती का कहना है कि वह अपनी मर्जी से बिना किसी दबाव के पति नयन के साथ रह रही है। आरोप है कि उसके परिजनों ने बांगरमऊ कोतवाली में नयन और उसके परिवार के खिलाफ शिकायत दी है, जिसके बाद पुलिस उसके पति के परिवार को परेशान कर रही है। साथ ही युवती ने अपने मायके पक्ष पर उसे, उसके पति और ससुरालीजनों को जानमाल की धमकी देने का आरोप लगाया है। अंजली ने प्रार्थना पत्र के साथ वैवाहिक घोषणा पत्र की छायाप्रति संलग्न करते हुए पुलिस से पति और उसके परिवार को परेशान न किए जाने तथा सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

समरीन हत्याकांड के आरोपी ने कारागार के बाथरूम में तौलिये का फंदा बनाकर किया सुसाइड

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ स्थित जिला कारागार में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब समरीन मौत मामले के मुख्य आरोपी अवनीश जायसवाल उर्फ देव ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि आरोपी बंदी का शव जेल की बैरक के बाथरूम में तौलिये के फंदे से लटका मिला। जेल के भीतर बंदी द्वारा आत्महत्या किए जाने की खबर मिलते ही कारागार प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर जेलर ऋत्विक प्रियदर्शी और स्थानीय पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। गौरतलब है कि बीते 14 अक्टूबर को सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के होटल सेलेस्टियल



मैन्योर की 10वीं मंजिल से गिरकर 24 वर्षीय समरीन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि घटना वाले दिन समरीन अपने बॉयफ्रेंड अवनीश जायसवाल उर्फ देव के साथ उसी होटल में ठहरी थी। दोनों ने दोपहर करीब 12 बजे होटल में चेक-इन किया था और शाम करीब साढ़े छह बजे समरीन 10वीं मंजिल से नीचे गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के बाद से आरोपी अवनीश जायसवाल फरार हो गया था। समरीन की मौत के मामले में नामजद होने के बाद पुलिस आरोपी अवनीश जायसवाल की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी।

पुलिस के बढ़ते दबाव के बीच घटना के दो दिन बाद आरोपी ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया था, जिसके बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में लखनऊ जिला कारागार भेजा गया था और गुरुवार को उसने बैरक के बाथरूम में तौलिये का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। फिलहाल जेल प्रशासन और पुलिस के अधिकारी जेल कर्मियों एवं अन्य बंदियों से पूछताछ कर घटना के कारणों और परिस्थितियों की गहन जांच में जुटे हुए हैं। यह मामला लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र स्थित होटल सेलेस्टियल मैन्योर में हुई 24 वर्षीय समरीन की संदिग्ध मौत और उसके बाद मुख्य आरोपी अवनीश जायसवाल उर्फ देव द्वारा जिला जेल में आत्महत्या किए जाने से जुड़ा है। 14 अक्टूबर को समरीन अपने कथित बॉयफ्रेंड अवनीश के साथ होटल गई थी और शाम को 10वीं मंजिल से गिरकर उसकी मौत हो गई थी। इस केस में नामजद होने के बाद अवनीश ने अदालत में सरेंडर किया था और न्यायिक अभिरक्षा में लखनऊ जिला जेल भेजा गया था, जहां गुरुवार को बैरक के बाथरूम में उसका शव तौलिये के फंदे से लटका मिला।

बलरामपुर अस्पताल में खत्म हुआ खून, मदद को आगे आए छात्र, 50 से ज्यादा युवाओं ने किया रक्तदान

लखनऊ,संवाददाता। जब जरूरत की घड़ी आती है, तो इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म बनकर सामने आती है। राजधानी के प्रमुख बलरामपुर अस्पताल में बीते दिनों रक्त की भारी किल्लत हो गई थी, जिससे गंभीर रूप से बीमार मरीजों और उनके परिजनों के सामने जीवन-मरण का संकट खड़ा हो गया था। अस्पताल की इस विकट स्थिति को देखते हुए आज ऑल इंडिया पया मे इंसानियत फोरम के कोऑर्डिनेटर शफीक चौधरी तथा नदवतुल उलमा के उस्तादों (शिक्षकों) ने भी स्वयं रक्तदान कर और छात्रों ने मानवता की एक अनूठी मिसाल कायम की। आज दोपहर 12.00 बजे बलरामपुर अस्पताल के ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में दारुल उलूम नदवतुल उलमा के 50 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक स्वैच्छिक रक्तदान किया। केवल छात्र ही नहीं, बल्कि इस नेक मुहिम की अगुवाई करते हुए ऑल इंडिया पया मे इंसानियत फोरम के कोऑर्डिनेटर शफीक चौधरी तथा नदवतुल उलमा के उस्तादों (शिक्षकों) ने भी स्वयं रक्तदान कर समाज को एक बड़ा संदेश दिया। मरीजों के चेहरों पर लौटी मुस्कान अस्पताल में रक्त की कमी के कारण जिन मरीजों के ऑपरेशन या इलाज में बाधा आ रही थी, इस रक्तदान अभियान से उन्हें बड़ी राहत मिली है।

रक्तदान करने वाले छात्रों का कहना था कि मजहब हमें यही सिखाता है कि किसी की जान बचाना पूरी इंसानियत को बचाने जैसा है। जब हमें पता चला कि बलरामपुर अस्पताल में खून की कमी है, तो हम खुद को रोक नहीं पाए।

छात्राओं ने दौड़ में हिस्सा लिया, इंदिरा गांधी की 109वीं जयंती पर अजय राय ने दिखाई हरी झंडी

वाराणसी,संवाददाता। इंदिरा गांधी की 109वीं जयंती पर गुरुवार को वाराणसी के चोलापुर स्थित नियार में बालिका दौड़ प्रतियोगिता हुई। इसमें 150 से अधिक छात्राओं ने हिस्सा लिया। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ शुरू कराई। दौड़ नियार रामलीला मैदान से पं. रामप्रवेश चौबे इंटर कॉलेज के मोड़ तक हुई। शिवानी मौर्य ने पहला, स्मिता सोनकर ने दूसरा और शालू ने तीसरा स्थान हासिल किया। पूनम यादव और प्रीति कुमारी संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में शामिल हर छात्रा को 100 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। इसके बाद पं. रामप्रवेश चौबे पीजी कॉलेज में पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। अजय राय, कॉलेज प्रबंधक और चोलापुर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख सतीश चौबे तथा कोऑर्डिनेटर देवांश मनीष चौबे ने विजेता छात्राओं को पुरस्कार दिए। अजय राय ने छात्राओं की प्रतिभा और उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को पढ़ाई के साथ खेलकूद में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है।

मोती झील की जमीन पर प्लॉटिंग की शिकायत सुनकर वीसी ने अधिकारियों को फटकार लगाई

लखनऊ,संवाददाता। एलडीए के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अनुज सिंह ने गुरुवार को पहली बार प्राधिकरण दिवस (जनता अदालत) में फरियादियों की शिकायतें सुनीं। करीब 30-40 शिकायतें पहुंचीं। इनमें ऐशबाग की ऐतिहासिक मोतीझील जमुना झील पर कब्जे और यहियागंज में मंदिर तोड़कर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाने के आरोप शामिल रहे। झील की जमीन पर प्लॉटिंग की शिकायत सुनकर वीसी ने अधिकारियों को फटकार लगाई। पीसीएस अधिकारी प्रभाकर सिंह से कहा आप लोग पीसीएस अधिकारी हैं, इसके बावजूद नहीं जानते कि तालाब की जमीन पर कब्जा नहीं हो सकता। झील की जमीन झील की ही होती है। इसे संरक्षित करना प्राधिकरण की जिम्मेदारी है। ऐशबाग के पूर्व पार्षद गणेश कनौजिया ने शिकायत की कि ऐतिहासिक जमुना झील की जमीन पर कब्जा कर उसे पाटने और प्लॉटिंग की तैयारी की जा रही है। उन्होंने झील को कब्जामुक्त कराने की मांग की। इस पर वीसी ने राजस्व विभाग के साथ मिलकर जमीन की स्थिति की जांच कराने की बात कही। अनुज सिंह ने कहा कि पहले यह देखा जाएगा कि जमीन निजी है या झील की। अगर वह वॉटर बॉडी की जमीन निकली तो उस पर किसी तरह का अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। राजस्व विभाग के समन्वय से कार्रवाई होगी। शिकायतकर्ता ने बताया कि झील के पास बड़ा श्मशान घाट और कब्रिस्तान है। आरोप है कि पूर्व में कई बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना था कि रजिस्ट्री या खतौनी किसी के नाम होने से जलाशय की जमीन का स्वरूप नहीं बदल जाता।

यहियागंज रकाबगंज निवासी एके तिवारी ने 244/25 पर अवैध निर्माण की शिकायत की। उनका आरोप है कि यहां पहले श्रीरामजानकी गुप्ता का राधा-कृष्ण मंदिर था। शिवम बंसल और कृष्ण अवस्थी ने मंदिर ध्वस्त कर करीब 20 हजार वर्गफीट में कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनवा दिया। तिवारी के मुताबिक, निर्माण का नक्शा पास नहीं है। एलडीए इस कॉम्प्लेक्स को दो बार सील कर चुका है। ध्वस्तीकरण का आदेश भी जारी हो चुका है, इसके बावजूद निर्माण जारी है। उन्होंने बताया कि इस मामले में पहले भी दो बार जनता अदालत में शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। बुधवार को वीसी ने जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। जनता अदालत के दौरान अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर वीसी की नाराजगी सामने आई। उन्होंने ओएसडी राजीव कुमार को भी कामकाज में सुधार करने की हिदायत दी। उनसे कहा कि काम सीख लीजिए, वरना मैं ठीक कर दूंगा। वीसी अनुज सिंह ने बताया कि पहले प्राधिकरण दिवस में करीब 30-40 शिकायतें आई हैं।

इनमें जमीन पर अतिक्रमण और रजिस्ट्री से जुड़े मामले शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अगली बार शिकायतों की सुनवाई और समाधान की प्रक्रिया को ज्यादा व्यवस्थित किया जाएगा। अधिकारियों की भूमिका पर उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी मामले में अधिकारी की संलिप्तता मिली तो सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ

लखनऊ,संवाददाता। विश्व धरोहर सप्ताह 19 से 25 नवम्बर के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ एवं इतिहास विभाग, बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान मे गौतम बुद्ध केंद्रीय ग्रन्थालय बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक विरासत पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने किया। इस अवसर पर राज्य पुरातत्व निदेशक रेनू द्विवेदी ने कुलपति को प्रदर्शनी में प्रदर्शित छायाचित्रों के माध्यम से प्रदेश के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थलों तथा विभाग द्वारा किए जा रहे संरक्षण एवं अनुरक्षण कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। निदेशक रेनू द्विवेदी द्वारा कुलपति को पौधा एवं स्मारक का पोर्ट्रेट भेंट कर सम्मानित



किया गया। प्रदर्शनी में निदेशालय द्वारा विभिन्न संरक्षित स्मारकों पर कराए जा रहे बृहद अनुरक्षण एवं संरक्षण कार्यों के छायाचित्रों के साथ-साथ प्रदेश के महत्वपूर्ण संरक्षित स्मारकों एवं पुरातात्विक स्थलों को प्रदर्शित किया गया। इनमें फतेहपुर स्थित रसिक बिहारी लाल वाराणसी का कर्दमेश्वर महादेव मंदिर, लखनऊ का गुलिस्ताने इरम, लखीमपुर खीरी का मेंढक मंदिर, बालाबेहट किला, रसखान की समाधि तथा उत्खनित पुरास्थलों में मलहर चंदौली एवं राजा नल का टीला सोनभद्र सहित अन्य महत्वपूर्ण ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थलों के छायाचित्र शामिल थे।

निदेशक रेनू द्विवेदी ने बताया कि विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय द्वारा प्रदेश के 27 जनपदों में 41 शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक विरासत के प्रति जन-जागरूकता विकसित करना तथा विशेष रूप से युवाओं एवं विद्यार्थियों को अपनी गौरवशाली विरासत से परिचित कराना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियां हमारी समृद्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को जनसामान्य तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर आयोजन तथा आमजन, विशेषकर युवा पीढ़ी एवं विद्यार्थियों में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता और संरक्षण की भावना विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने पर बल दिया। प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के 600 विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत के पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

एबीवीपी ने छात्रावास, शिक्षकों की नियुक्ति और परीक्षा परिणाम सुधारने की मांग रखी

वाराणसी,संवाददाता। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गंगापुर परिसर में व्याप्त शैक्षणिक एवं प्रशासनिक समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की गंगापुर परिसर इकाई ने विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने 11 सूत्रीय मांगें रखीं। गुरुवार को कैंपस में दर्जनों छात्र धरने पर बैठ गए हैं। परिषद ने विद्यार्थियों को हो रही परेशानियों का शीघ्र समाधान कराने और शैक्षणिक नुकसान की भरपाई करने की मांग की है। परिषद की ओर से कृषि एवं प्रबंधन और तकनीकी संकाय के परिसर स्थानांतरण से विद्यार्थियों को हो रही असुविधाओं पर विश्वविद्यालय प्रशासन की जवाबदेही तय करने की मांग की गई। इसके अलावा कृषि संकाय के वर्ष 2021 बैच से वर्तमान बैच तक के पात्र विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना का लाभ देने, कृषि संकाय में स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति करने और एमएससी एग्रीकल्चर के शोध प्रबंध में आईसीएआर के निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग उठाई गई। परिषद ने परीक्षा परिणामों में त्रुटियों को सुधारने, महिला छात्रावास को ध्वस्त कर वहां प्राकृतिक चिकित्सा विभाग बनाए जाने के मामले में जवाबदेही तय करने और बालक छात्रावास का आवंटन सुनिश्चित करने की मांग भी की। कृषि संकाय में फील्ड और प्रयोगशाला की कमी दूर करने, एमएफए चतुर्थ सेमेस्टर वर्ष 2020 बैच का लंबित परिणाम जारी करने तथा गंगापुर और भैरव तालाब परिसर में पार्किंग की समस्या का समाधान कराने की मांग शामिल रही। इसके साथ ही कृषि संकाय के तल पर वाटर कूलर लगाने की मांग की गई। विभाग संयोजक राजमंगल सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रहित में सभी समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करे। विद्यार्थियों की समस्याओं की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। यह धरना प्रदर्शन हमारी मांगे पूरी तरह होने तक निरंतर किया जाएगा।

संपादकीय

मौत की जर्जर इमारतें

पिछले कुछ समय से दिल्ली में जर्जर इमारतों से होने वाले हादसों में मौतों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसमें अनेक निर्दोष लोगों की जान असमय चली जाती है। विडंबना यह है कि इन बड़े हादसों के बाद सत्ताधीशों व राजनेताओं की बयानबाजी ही सामने आती है। फिर अगले हादसे तक खामोशी ओढ़ ली जाती है। बड़े–बड़े दावों के बीच 'ट्रिपल इंजन सरकारें' भी जर्जर भवनों के हादसे रोक पाने में असहाय नजर आ रही हैं। इन हादसों के बावजूद निर्माण संबंधी नियमों को सख्ती से लागू करने की पहल होती नजर नहीं आती है। वहीं दूसरी ओर लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों और अधिकारियों की कोई जवाबदेही भी तय नहीं की जाती। ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि आपराधिक लापरवाही के लिये किसी दोषी को दंडित किया गया हो। साथ ही बिल्डिंग बायलॉज के उल्लंघन के मामले में भी तंत्र की तरफ से कोई गंभीर कार्रवाई होती नजर नहीं आती। मंगलवार को शाहदरा के ज्वाला नगर में एक इमारत ढह गई, जिसमें एक तीन साल के बच्चे समेत दो लोगों की जान चली गई। कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका बना हुई थी। दुखद ही है कि ऐसी दुर्घटनाओं की सूची दिन–ब–दिन लंबी होती जा रही है। सितंबर में तब काफी बवाल मचा था जब सत्य निकेतन की पांच मंजिला इमारत ढह गई थी। जिसमें पेइंग गेस्ट के तौर पर रह रहे पांच छात्रों समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। तब क्योंकि छात्र आंदोलन का दौर चल रहा था तो छात्रों के गुस्से के मद्देनजर बड़ी–बड़ी घोषणाएं हुई और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। लेकिन कुछ दिनों के बाद 'वही ढाक के तीन पात' वाली स्थिति सामने आई। बीते अक्तूबर में भी सीमापुरी में जमीन धंसने से चार लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह पांच नवंबर को चावड़ी बाजार हादसे में सात लोगों की मौत हो गई थी। दुखद यह है कि दुर्घटनाओं का यह अंतहीन सिलसिला लगातार जारी है। उल्लेखनीय है कि मई और जुलाई में भी सैदुलजाब और रोहिणी में ऐसी घटनाएं देखने को मिली। पिछले हफ्ते पहाड़गंज में एक निर्माण स्थल पर छत ढह गई थी। लेकिन गनीमत रही है कि चमत्कारिक रूप से किसी की जान नहीं गई। बहरहाल, बार–बार होने वाली ये त्रासदियां यह स्पष्ट कर देती हैं कि राजधानी में असुरक्षित इमारतें– अब चाहे वे कॉमर्शियल हों या रिहायशी, पुरानी हों या निर्माणाधीन, अधिकृत हों या अनधिकृत– मौत का जाल बनती जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर इन हादसों की जवाबदेही तय करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई है। पुरानी जर्जर इमारतों की अनदेखी, निर्माण के तौर–तरीकों में आपराधिक लापरवाही, सुरक्षा जांच में कमी और प्रशासनिक लापरवाही के चलते बार–बार लोगों की जान जोखिम में डाला जाना बदस्तूर जारी है। इसमें दो राय नहीं कि यह प्रशासन की विफलता है। विडंबना यह है कि स्थानीय प्रशासन व नगर निकाय घटना के बाद कार्रवाई– मसलन मलबे की जांच करने, चंद अधिकारियों के निलंबन या प्राथमिकी दर्ज करने तक सीमित रह जाता है। वास्तव में होना यह चाहिए कि उन इमारतों को चिन्हित किया जाए, जो खतरनाक साबित हो सकती हैं। ताकि समय रहते कार्रवाई करके लोगों की जान बचायी जा सके। बाद में कार्रवाई करने से ज्यादा जरूरी है कि ऐसी आपदाओं की पुनरावृत्ति ही न हो। सही मायने में दिल्ली में असुरक्षित व जर्जर इमारतों के सुरक्षा ऑडिट की तत्काल जरूरत है। वास्तव में इन इमारतों की निगरानी किसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा करायी जानी चाहिए।

प्रत्याशी थोपने की पुष्ट होती परंपरा

राजीव सचान

जिन पांच राज्यों–उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में अगले वर्ष के प्रारंभ में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां से राजनीतिक हलचल तेज होने के साथ ही दलबदल के समाचार आने लगे हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी के तीन विधायकों–विजय प्रताप सिंह, हरमीत सिंह और चेतन सिंह ने अपनी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा की सदस्यता ले ली। इस पर आश्चर्य ही होगा कि यदि भाजपा इन नेताओं को चुनाव मैदान में न उतारे। आसार इसी के हैं कि उन्होंने भाजपा की ओर से उम्मीदवार बनाए जाने की शर्त पर ही पाला बदला होगा। पंजाब से ही कांग्रेस ने दूसरी पार्टियों से आने वाले नेताओं के लिए एक विशेष समिति का गठन कर दिया है। यही समिति दलबदल करने वाले नेताओं को पार्टी में शामिल करने का निर्णय लेगी। इस पर कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए आम आदमी पार्टी ने कहा कि वह दलबदलुओं को बढ़ावा देने में जुट गई है। यह वही आम आदमी पार्टी है, जिसके कई विधायक पहले कांग्रेस में थे।

उत्तर प्रदेश में भी दलबदल का सिलसिला कायम हो गया है। भाजपा के पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप बेटी कीर्ति कश्यप के साथ सपा में शामिल हो गए। इसके अतिरिक्त भाजपा के ही पूर्व सांसद राजपाल सैनी, पूर्व विधायक सिनोद शाक्य और कुशाग्र सागर ने भी सपा का दामन थाम लिया। भाजपा छोड़ सपा में जाने वाले अन्य नेताओं में राम बहादुर पासी और चंद्र कुमार मिश्र भी हैं। भले ही सूत्रों के हवाले से ऐसी खबरें आई हों कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि दल बदलने वालों के साथ पार्टी नेताओं के निकट संबंधियों को टिकट नहीं मिलेगा, पर इसमें संदेह है कि जो भाजपा नेता सपा में आए हैं, वे केवल चुनाव प्रचार करने तक सीमित रहेंगे।

जो भी हो, सपा के तीन बागी विधायकों–राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और विनोद चतुर्वेदी ने भी पिछले दिनों भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। इनके अलावा एक अन्य सपा नेता अनिल यादव ने भी भाजपा का साथ पकड़ा। इसी तरह बसपा के पूर्व सांसद अरविंद कुमार चौधरी भी भाजपा के साथ हो लिए। इनमें से कुछ भाजपा प्रत्याशी के तौर पर विधानसभा चुनाव लड़ते दिखें तो हैरानी नहीं। यह तय मानिए कि आने वाले दिनों में चुनाव वाले राज्यों से नेताओं के पाला बदलने और फिर उनके नए दल की ओर से प्रत्याशी बन जाने के समाचार आएंगे। ऐसे समाचार राजनीतिक दलों की ओर से प्रत्याशियों के नामों की घोषणा करने के बाद भी आ सकते हैं। अपने दल से टिकट न मिलने से नाराज नेता बगावत कर दूसरे दल जा सकते हैं और उसके प्रत्याशी बन सकते हैं। भले ही राजनीतिक दल यह कहते हों कि प्रत्याशियों का चयन एक तय प्रक्रिया और आंतरिक या बाहरी स्तर पर कराए गए सर्वेक्षणों के आधार पर किया गया, लेकिन ऐसे दावे तब जनता का मुंह चिढ़ाते हैं, जब कोई नेता अचानक पाला बदलकर दूसरे दल से प्रत्याशी बन जाता है। पिछले कुछ समय से तो गैर–राजनीतिक लोग भी यकायक प्रत्याशी बनकर लोगों को चौंका रहे हैं। इनमें मौजूदा और पूर्व नौकरशाह खास तौर पर हैं। कभी–कभी कोई बाहुबली या कोई अति अमीर भी अचानक किसी दल में शामिल होकर प्रत्याशी बन जाता है। यह शायद ही कोई भूला हो कि हाल में सपा ने किस तरह अपने दल के लोगों को भी चकित करते हुए उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के ग्रुप प्रेसिडेंट धनराज परिमल नाथवानी को राज्यसभा का उम्मीदवार बना दिया था।

उनके चयन ने इसलिए सुर्खियां बटोरी थीं कि उनके पिता राजग समर्थित राज्यसभा सदस्य परिमल नाथवानी के बेटे हैं। कुल मिलाकर अब कोई भी नेता अथवा गैर नेता किसी दल में आनन–फानन शामिल होकर प्रत्याशी बन सकता है।

तो क्या ट्रंप के कूटनीतिक मायाजाल में फंस जाएंगे पुतिन और जिनफिंग?

कमलेश पांडे

ऐसे में अमेरिका, रूस और चीन के बीच उभरता त्रिकोणीय कूटनीतिक समीकरण केवल तीन महाशक्तियों के नेताओं की मुलाकात का विषय नहीं है, बल्कि इसके पीछे वैश्विक शक्ति संतुलन, रणनीतिक साझेदारियों, आर्थिक हितों और छोटे–बड़े देशों के भरोसे की बड़ी लड़ाई भी दिखाई देती है। ये देश नहीं चाहते कि इनके समानांतर कोई नया देश खड़ा हो और वह उनकी आवाज बने जिनका शोषण करते रहना इनकी नीतिगत फितरत है। यही वजह है कि इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या ट्रंप, रूस और चीन को आपसी मतभेदों, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और अपने–अपने सहयोगियों के हितों के बीच इस तरह उलझा सकते हैं कि दोनों देशों की विश्वसनीयता प्रभावित होने लगे? भले ही यह एक विचारणीय भू–राजनीतिक परिकल्पना है। हालांकि, इसे किसी प्रमाणित अमेरिकी डीप स्टेट योजना का नाम देना अभी उचित नहीं होगा, जबतक कि पूरा खेल स्पष्ट न हो जाए। वैसे भी ट्रंप कब क्या कहेंगे, कब पलटीमार देंगे, भरोसे के साथ कुछ नहीं कहा जा सकता। इन सबके पीछे उनका स्वार्थ कितना साधता है, सबकुछ इसी बात पर निर्भर करता है।

पहला सवाल यह है कि ट्रंप की रणनीति का संभावित केंद्रीय सूत्र क्या है? तो जवाब होगा कि ट्रंप की विदेश नीति में व्यक्तिगत कूटनीति, आर्थिक सौदेबाजी और शक्ति प्रदर्शन को काफी महत्व मिलता है। रूस और चीन के साथ बातचीत के संभावित उद्देश्यों को निम्नलिखित तीन स्तरों पर समझा जा सकता हैरू– एक, रूस को साधनारू यूक्रेन युद्ध में समझौते के लिए पुतिन पर कूटनीतिक प्रभाव बनाना और मॉस्को के साथ अमेरिका के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करना, ताकि उसे लाभ होता रहे। दो, चीन को साधनारू व्यापार, तकनीक, दुर्लभ खनिजों और ताइवान जैसे मुद्दों पर बीजिंग से रियायतें हासिल करना, ताकि उनके उद्योगों के लिए रियायती कच्चा माल मिलता रहे। तीन, दोनों को एक मंच पर लानारू परमाणु हथियार नियंत्रण, ईरान और वैश्विक सुरक्षा के मुद्दों पर ऐसी बातचीत करना जिसमें अमेरिका अपनी भूमिका केंद्रीय बनाए रखना चाहे। हालांकि, इन सबमें एक महत्वपूर्ण विरोधाभास भी है। वह यह कि चीन और रूस की निकटता अमेरिका की उस पुरानी रणनीति को कमजोर करती है जिसमें दोनों महाशक्तियों के बीच मतभेदों का लाभ उठाकर वाशिंगटन अपनी स्थिति मजबूत करता था। दूसरा सवाल है कि रूस और चीन के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने



सहयोगियों का भरोसा बनाए रखना होगा। खासकर भारत और ईरान आदि जैसे उभरते देशों का। यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, जो इसप्रकार हैरू– एक, रूस की विश्वसनीयतारू यदि पुतिन अमेरिका के साथ किसी बड़े समझौते में यूक्रेन, ईरान या अन्य रणनीतिक साझेदारों के हितों को नजरअंदाज करते दिखाई देते हैं, तो मॉस्को के सहयोगियों के बीच उसकी प्रतिबद्धताओं को लेकर सवाल उठ सकते हैं। दो, चीन की विश्वसनीयतारू यदि शी जिनपिंग अमेरिका के साथ किसी समझौते में ताइवान, ईरान या अपने दूसरे रणनीतिक साझेदारों के मुद्दों पर ऐसी रियायत देते हैं जिसे सहयोगी अपने हितों के विरुद्ध समझें, तो चीन की साझेदारी की विश्वसनीयता पर बहस हो सकती है। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। रूस और चीन अपने सहयोगियों के साथ संबंधों को केवल अमेरिका के साथ बातचीत के आधार पर तय नहीं करते। उनके आर्थिक, सैन्य, राजनीतिक और क्षेत्रीय हित भी इसमें महत्वपूर्ण हैं।

तीसरा सवाल यह है कि क्या ट्रंप दोनों महाशक्तियों को एक–दूसरे के विरुद्ध इस्तेमाल कर सकते हैं? तो यहां 1970 के दशक की अमेरिकी त्रिकोणीय कूटनीति याद आती है। तब अमेरिका ने सोवियत संघ और चीन के बीच मतभेदों का लाभ उठाकर बीजिंग के साथ संबंध बेहतर किए थे। इससे वाशिंगटन को मॉस्को के मुकाबले कूटनीतिक लाभ मिला था। लेकिन 2026 की परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं। वह यह कि रूस और चीन के बीच रणनीतिक साझेदारी पहले से अधिक मजबूत है। दोनों देश अमेरिकी प्रभुत्व को लेकर कई मुद्दों पर समान चिंताएं रखते हैं। दोनों के आर्थिक और कूटनीतिक हित एक–दूसरे से जुड़े हैं। अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ भी उसके संबंधों में कई बार अनिश्चितता दिखाई देती है। फिर भी आज अमेरिका के लिए रूस और चीन के बीच पुराने जमाने जैसी दरार पैदा करना आसान नहीं है।

चौथा सवाल क्या यही अमेरिकी डीप स्टेट का गेम प्लान है? क्योंकि ट्रंप भी अब इनके सामने घुटने टेक चुके हैं। मिड टर्म चुनावों में अपनी रिपब्लिकन पार्टी की हुई फजीहत से बौखलाए हुए भी हैं। लिहाजा इस सवाल को तीन अलग–अलग अवधारणाओं में समझना जरूरी हैरू– एक, डीप स्टेटरू स्थायी प्रशासनिक, सुरक्षा और संस्थागत नेटवर्क का प्रभाव। दो, अमेरिकी रणनीतिक प्रतिष्ठानरू विदेश नीति, रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संस्थान एवं नीति निर्माता। तीन, ट्रंप की व्यक्तिगत कूटनीतिरू नेताओं से सीधी बातचीत और द्विपक्षीय सौदेबाजी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में सत्ता बदलने के बावजूद राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थानों, रक्षा प्रतिष्ठानों और विदेश नीति से जुड़े स्थायी हित बने रहते हैं। लेकिन यह मान लेना कि इन सभी संस्थानों का कोई एक गुप्त और सर्वसम्मत गेम प्लान है, मौजूदा उपलब्ध प्रमाणों से पुष्ट नहीं होता। इसलिए डीप स्टेट की परिकल्पना को एक राजनीतिक व्याख्या के रूप में देखना चाहिए, स्थापित तथ्य के रूप में नहीं।

पांचवां सवाल यह है कि क्या 19 नवंबर की त्रिपक्षीय बैठक के पांच बड़े सवाल का संतुलित जवाब मिलेगा? चूंकि, ट्रंप, पुतिन और शी जिनपिंग की शेनझेन में प्रस्तावित त्रिपक्षीय बैठक पर पूरी दुनिया की नजरें बनी हुई हैं, क्योंकि इस बैठक से जुड़े पांच महत्वपूर्ण सवाल हैंरू एक, क्या यूक्रेन युद्ध के समाधान पर कोई साझा रास्ता निकलेगा? दो, क्या चीन को अमेरिका–रूस परमाणु हथियार नियंत्रण वार्ता में शामिल करने की कोशिश सफल होगी? तीन, क्या ईरान के मुद्दे पर रूस और चीन अमेरिकी दृष्टिकोण के करीब आएंगे? चार, क्या अमेरिका ताइवान के मुद्दे पर चीन को कोई राजनीतिक आश्वासन देगा? पांच, क्या तीनों महाशक्तियां अपने सहयोगियों के हितों को ध्यान में रखकर कोई समझौता करेंगी? बैठक के एजेंडे और प्रारूप को लेकर बातचीत जारी थी, क्योंकि तीनों नेताओं के अलग–अलग उद्देश्यों और संभावित हितों को रेखांकित किया है। छठा सवाल है कि भारत के लिए इसका क्या अर्थ है? चूंकि भारत के लिए यह घटनाक्रम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि रूस भारत का पुराना रक्षा और ऊर्जा साझेदार है। अमेरिका भारत का महत्वपूर्ण तकनीकी, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है। चीन के साथ भारत के सीमा और क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी मुद्दे हैं। ईरान और मध्य एशिया भारत के संपर्क एवं ऊर्जा हितों के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह किसी एक महाशक्ति के कूटनीतिक समीकरण का हिस्सा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर सभी प्रमुख शक्तियों से संबंध बनाए रखे।

सातवां और अंतिम सवाल यह है कि असली लड़ाई भरोसे और रणनीतिक विश्वसनीयता की है। वास्तव में इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश की ताकत केवल उसकी सैन्य या आर्थिक क्षमता से तय नहीं होती। उसकी प्रतिबद्धताओं पर सहयोगियों का भरोसा भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। यदि रूस या चीन अमेरिका के साथ किसी समझौते में अपने रणनीतिक सहयोगियों के हितों की अनदेखी करते हैं, तो उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठ सकते हैं। दूसरी ओर, यदि ट्रंप अपने सहयोगियों और प्रतिद्वंद्वियों दोनों के साथ अनिश्चित सौदेबाजी करते हैं, तो अमेरिका की अपनी विश्वसनीयता भी प्रभावित हो सकती है।

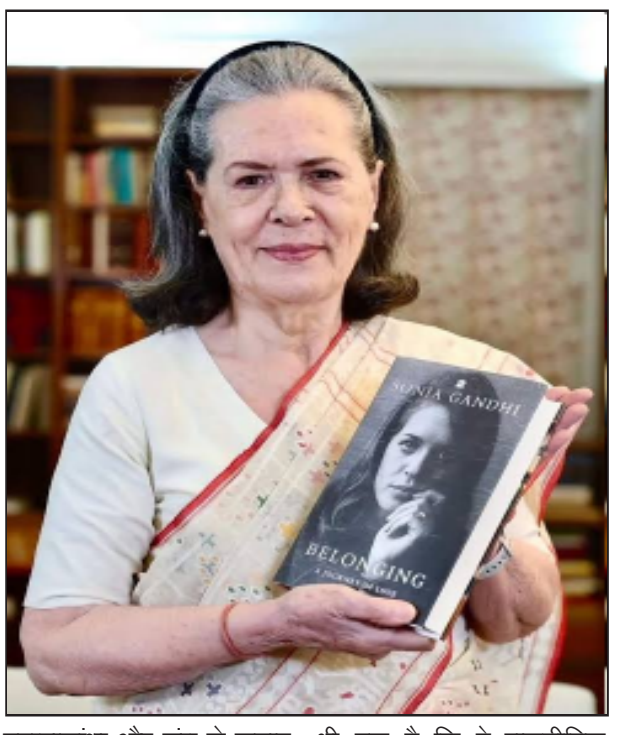
प्यार और अपनापन के साथ राजनीतिक नैरेटिव गढ़ती किताब

उमेश चतुर्वेदी

भारत में राजनीतिक हस्तियों द्वारा आत्मकथाएं लिखने की लंबी परंपरा रही है। खुद सोनिया के नाना ससुर जवाहर लाल नेहरू ने भी अपनी आत्मकथा लिखी है। महात्मा गांधी की आत्मकथा सत्य के प्रयोग तो दुनियाभर में चर्चित है। राजेंद्र प्रसाद ने भी अपनी नजर से अपने अतीत में झांकने की कोशिश की है।

गांधी–नेहरू परिवार भले ही सत्ता से दूर हो, लेकिन ऐतिहासिक कारणों की वजह से उसे देश के पहले राजनीतिक परिवार का दर्जा हासिल है। इस संदर्भ में सोनिया गांधी की किताब 'बिलांगिंग, ए जर्नी ऑफ लव' पर हो रही चर्चा स्वाभाविक है। चूंकि सोनिया राजनीतिक हस्ती हैं, इसलिए उनकी किताब पर उनके समर्थकों का लहालोट होना और उनके विरोधियों का उसमें मीन–मेख निकालना भी अजूबा नहीं है। सोनिया प्रचलित अर्थों में साहित्यकार भी नहीं है, लिहाजा इस किताब की परख साहित्यिक पैमाने पर करना बेमानी ही होगा। चूंकि सोनिया अब भी राजनीति में सक्रिय हैं, इसलिए इस किताब के राजनीतिक अर्थ भी निकाला जाना कोई नई बात नहीं है। आत्मकथा के बारे में कहा जाता है कि वह लेखक के नजरिए से उसका अपना अतीत होती है। अतीत को देखने के लिए हर एक का अपना नजरिया होता है, इसलिए हर व्यक्ति अपने हिसाब से घटनाओं को देखता और परखता है। इसलिए सोनिया की किताब को भी देखने और उसे समझने का हर व्यक्ति के लिए आधार अलग–अलग हो सकता है। सोनिया गांधी का नौ दिसंबर को इक्यासिवां जन्मदिन है। उस दिन वह जीवन के आठ दशक पूरे कर लेंगी। जिस तरह जन्मदिन के ठीक पहले किताब पर चर्चाओं की बाढ़ आई है और इसके जरिए नया राजनीतिक नैरेटिव खड़ा हो रहा है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि सोनिया का अपने जन्मदिन पर इससे बड़ा कोई तोहफा नहीं हो सकता। मल्लिकार्जुन खरगे भले ही देश की सबसे पुरानी पार्टी के मुखिया हों, लेकिन असल कमान सोनिया और राहुल के ही हाथ हैं। कांग्रेस बेशक चर्चाओं में हो, लेकिन अब वह अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए जूझ रही है। उसके सामने 'करो या मरो' की हालत है। 2029 के आम चुनावों के जरिए केंद्रीय सत्ता में वापसी का उसे कठिन संघर्ष करना पड़ेगा। सोनिया को यह पता है। उनकी किताब भले ही अपनापन और प्यार की यात्रा हो, लेकिन वह कांग्रेस के राजनीतिक संघर्ष की बुनियाद खड़ी कर रही है। किताब जारी राजनीतिक घमासान को देखते हुए कहा जा सकता है कि सोनिया अपनी इस योजना में सफल हैं। कुछ ही महीनों बाद पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और पंजाब में कांग्रेस उम्मीद कर सकती है। उत्तर प्रदेश में अपनी ताकत को कुछ और बढ़ाने के अलावा उसके सामने दूसरा विकल्प नहीं है। सोनिया की किताब इन राज्यों में कांग्रेस की संभावनाओं का आधार बन सकती है। कांग्रेस के कार्यकर्ता इस किताब को जिस तरह से लेकर मैदान में उतर पड़े हैं, वह पार्टी की इस रणनीति की ही गवाही दे रहा है।

पांच सौ से कुछ ज्यादा पृष्ठों की इस किताब को मोटे तौर पर दो हिस्सों में पढ़ा जा सकता है। राजीव गांधी से मिलन, शादी के बाद भारतीय परिवार को अपनाना और इंदिरा–संजय से रिश्तों की जब तक किताब में विवरण आते हैं, वे पारिवारिक अनुभव देते हैं। हालांकि मेनका को लेकर उन्होंने जो लिखा है, एक दशक पहले मेनका के कहे शब्दों से अलग है। सोनिया ने देवरानी मेनका को लेकर लिखा है कि राजनीतिक



महत्वाकांक्षा और संघ से जुड़ाव के चलते उन्हें परिवार से निकलना पड़ा। जो मेनका के बयान से उलट है। करीब एक दशक पहले सिमी ग्रेवाल के शो में मेनका ने गांधी परिवार से अपने निष्कासन को लेकर कहा था कि संजय की मृत्यु के बाद राजीव गांधी को जब इंदिरा राजनीति में लेकर आईं तो सोनिया ने मेनका से परिवार को बाहर करने की शर्त रखी थी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि सोनिया सही हैं या मेनका। वैसे इस घटना पर गांधी परिवार के करीबी पत्रकार खुशवंत सिंह ने भी लिखा है और उनकी राय भी सोनिया की राय से मेल नहीं खाती सोनिया की किताब में शामिल राजनीतिक घटनाओं के विवरण एक तरह से सोनिया के राजनीतिक व्यक्तित्व का विस्तार लगती है। हर लेखक की भांति सोनिया का भी हक है कि वे राजनीतिक घटनाओं को अपने नजरिए से पेश करें और उनकी व्याख्या करें। लेकिन सार्वजनिक जीवन में घटित कुछ ऐसी घटनाएं भी हैं, जिन पर अगर वे कुछ लिखेंगी भी तो उसे सहज स्वीकार नहीं किया जाएगा। 14 मार्च 1998 और 24 दिसंबर 2004 की घटनाओं को लेकर उनकी राय देश जानना ही चाहेगा। पहली तारीख को पिछड़े समुदाय से आने वाले कांग्रेस के अरसे बाद निर्वाचित अध्यक्ष सीताराम केसरी को तकरीबन अपमानित करके पद से हटाया गया था और दूसरी तारीख को प्रधानमंत्री रहे व्यक्ति के शव को कांग्रेस के मुख्यालय में घुसने तक नहीं दिया गया था। पहली घटना के बाद सोनिया के ही सिर कांग्रेस का ताज सजा था और दूसरी के वक्त सोनिया कांग्रेस की अघोषित सत्ता केंद्र थीं। इन घटनाओं के पीछे की वजहों को अगर आत्मकथा में जिक्र नहीं होता तो सवाल उठेंगे ही।

भारत में राजनीतिक हस्तियों द्वारा आत्मकथाएं लिखने की लंबी परंपरा रही है। खुद सोनिया के नाना ससुर जवाहर लाल नेहरू ने भी अपनी आत्मकथा लिखी है। महात्मा गांधी की आत्मकथा सत्य के प्रयोग तो दुनियाभर में चर्चित है। राजेंद्र प्रसाद ने भी अपनी नजर से अपने अतीत में झांकने की कोशिश की है। लेकिन इन तीनों की आत्मकथाओं पर राजनीतिक वितंडा खड़ा नहीं हुआ। इसकी वजह यह रही कि तीनों ने अपने राजनीतिक नजरिए की बजाय अपने विचारों और संघर्षों पर फोकस किया। महात्मा गांधी जनवरी 1948 तक जीवित रहे। लेकिन अपनी आत्मकथा में उन्होंने 1920 तक की ही घटनाओं का जिक्र किया है। उनका कहना था कि इसके बाद का उनका जीवन सार्वजनिक है और उस पर दुनिया लिखे। उन्होंने अपनी आत्मकथा के बारे में कहा है कि वे सिर्फ उन आध्यात्मिक और नैतिक प्रयोगों का वर्णन करना चाहते हैं, जो दूसरों के लिए मार्गदर्शक बन सकें। नेहरू ने आत्मकथा को अपनी मानसिक विकास यात्रा और राजनीतिक संघर्षों को समझने का जरिया माना। उनका कहना रहा कि आत्मकथा के जरिए लेखक को अपने विचारों की स्पष्टता और अपने दौर के इतिहास को परखने का मौका मिलता है। सहज शख्सियत के मालिक डॉ. राजेंद्र प्रसाद मानते थे कि आत्मकथा लिखना अतीत को फिर से जीने और अपनी भूलों से सीखने का एक माध्यम है। उनका विचार था कि एक सार्वजनिक व्यक्ति का जीवन समाज की धरोहर होता है, इसलिए उसके अनुभव दूसरों के काम आने चाहिए। इन विचारों में एक तरह से सार्वजनिनता है। राजनीतिक आग्रहों से आगे की बात है। इस संदर्भ में सोनिया की किताब को देखते हैं तो निराशा होती है।

सोनिया ने अपनी किताब में इंडिया ब्लॉक से नीतीश कुमार के अलग होने को लेकर जो राय दी है, वह कांग्रेसियों को स्वीकार्य हो सकता है, प्रबुद्ध तबको को नहीं। सोनिया ने लिखा है कि नीतीश इंडिया गठबंधन छोड़ने का बहाना तलाश रहे थे, क्योंकि वे बीजेपी के नियंत्रण में थे। जबकि पूरा देश जानता है कि इंडिया गठबंधन नीतीश और ममता बनर्जी की कल्पना थी। जुलाई 2023 में पटना में नीतीश की ही पहल पर गठबंधन की पहली बैठक हुई थी। तब नीतीश स्वाभाविक तौर पर मोदी के खिलाफ विपक्ष के नेता के तौर पर उभर रहे थे। लेकिन कांग्रेस को उनकी अगुआई पसंद नहीं आई। निराश नीतीश को गठबंधन छोड़ना ही था। किताब में सोनिया ने प्रधानमंत्री मोदी को लेकर लिखा है कि संसद के गलियारे में उनसे मुलाकात होती है, नमस्ते का आदान–प्रदान होता है। लेकिन प्रधानमंत्री नजर नहीं मिला पाते। हिंदी के दो मुहावरे हैं, नजर मिलाना और नजर फेर लेना।

तकनीकी वर्चस्व का खेल

संचार क्रांति के साथ ही दुनिया बहुत तेजी से तकनीकी व्यवस्था पर निर्भर हो चुकी है और अब हालत ऐसी हो गई है कि जरा सी गड़बड़ से हाहाकार मच जाता है। हालांकि जिन्हें तकनीकी कंपनियां मामूली गड़बड़ियां बताती हैं वो गंभीर संकट का कारण बन सकती हैं। बीते दिनों ऐसे कई उदाहरण देखने मिले। मंगलवार को एप्पल की कई सर्विसेज ने अचानक काम करना बंद कर दिया। आई क्लाउड, एप स्टोर, एप्पल पे और एप्पल सपोर्ट समेत कई प्लेटफॉर्म पर लोगों को लॉगिन करने, अकाउंट एक्सेस करने और भुगतान से जुड़े कामों में दिक्कत हुई। इससे पहले 12–13 नवंबर को माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं में एक बड़ी तकनीकी गड़बड़ी आई थी, जिसे शनिवार तक पूरी तरह से ठीक कर लिया गया। इस वजह से आउटलुक, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स, कोपायलट, माइक्रोसॉफ्ट 365, वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट, वनड्राइव और शेयरपॉइंट जैसे एप्लीकेशन्स बाधित रहे। शुरू में माइक्रोसॉफ्ट ने कहा था कि शायद यूजर्स का ट्रैफिक अचानक बहुत बढ़ गया है, लेकिन बाद में कंपनी ने खुद ही इस संभावना को इंकार कर दिया। कंपनी के मुताबिक ऑटोमेटेड हेल्थ चेक में फेल होने के कारण कई सर्वर अचानक अनुपलब्ध हो गए, जिससे बचे हुए सर्वरों पर अतिरिक्त लोड बढ़ गया और सिस्टम चरमरा गया। भारत समेत दुनिया के 74 से ज्यादा देशों में सरकारी कार्यालयों, बैंकों, एयरलाइंस और कंपनियों का कामकाज करीब 24 घंटे तक प्रभावित रहा। माइक्रोसॉफ्ट ने स्पष्ट किया कि यह किसी प्रकार का साइबर हमला नहीं था। अमेरिका में इससे पहले 13 नवंबर को अमेरिकी विमानन प्रशासन (एफएए) के नेटवर्क और राउटर में खराबी से 4 घंटे से ज्यादा उड़ानें रोकी गईं। हजारों फ्लाइट्स रद्द हुईं। फिर 16 नवंबर को जेपी मॉर्गन चेस की ऑनलाइन बैंकिंग और पैसे ट्रांसफर करने वाली सर्विस पर असर पड़ा। 16 नवंबर को ही यूनाइटेड एयरलाइंस का सिस्टम 90 मिनट से ज्यादा ठप रहा। जिसमें करीब 150 उड़ानों में देरी हुई। फिर 17 नवंबर को एप्पल की गड़बड़ी के साथ ही एनएसए यानी खुफिया एजेंसी का गोपनीय नेटवर्क एनएसएनेट ठप हुआ। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ये सभी गड़बड़ियां अलग–अलग तकनीकी कारणों से हुई हैं। अब तक किसी साइबर अटैक या विदेशी साजिश के सबूत नहीं मिले हैं। अमेरिकी मंत्री भले इस बात पर तसल्ली जताएं कि एक के बाद एक जो गड़बड़ियां लगातार हुई हैं, उनमें कोई विदेशी साजिश नहीं है। लेकिन क्या दुनिया के बाकी देश भी ऐसे ही निश्चिंत हो सकते हैं, खासकर तब जबकि उनकी निर्भरता अमेरिका से संचालित तकनीकी कंपनियों पर हो। मौजूदा वक्त में आधुनिक तकनीक, इंटरनेट प्लेटफॉर्म, डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि पर कुछ गिने–चुने बड़े कॉरपोरेट घरानों का नियंत्रण है और इनमें से अधिकतर अमेरिका में बैठकर ही अपना कारोबार चलाते हैं। इन कंपनियों के बनाए सर्च इंजन, मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल भुगतान व्यवस्था पर दुनिया के करोड़ों लोगों का कामकाज टिका हुआ है।

कांग्रेस कार्यालय पर धूमधाम से मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती, कांग्रेसियों ने किया नमन

इंदिरा गांधी ने देश का मान–सम्मान पूरे विश्व में बढ़ाया : डा. धर्मेन्द्र पांडेय

सलेमपुर, देवरिया। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती पर सलेमपुर ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र पांडेय ने कहा कि इंदिरा गांधी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री होने के साथ ही दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस और कुशल नेतृत्व की प्रतीक थीं। उन्होंने देश का मान–सम्मान पूरे विश्व में बढ़ाया और देश की एकता–अखंडता के लिए अपना



संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश सचिव दीनदयाल प्रसाद ने कहा कि उनके ऐतिहासिक फैसले और गरीबों, किसानों व कमजोर वर्गों के उत्थान के कार्य हमेशा याद किए जाएंगे। युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव गोविंद मिश्र ने कहा कि इंदिरा गांधी का व्यक्तित्व आज भी राजनीति व लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके विचारों को जन–जन तक पहुंचाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष शिवशंकर गौतम ने कहा कि इंदिरा गांधी के कार्यों की बदौलत ही दलित समाज आज मजबूत हुआ है।

इस दौरान सत्यम पांडेय, डॉ. नरेन्द्र यादव, सुनील तिवारी, राजेश यादव, धनेश यादव आदि मौजूद रहे।

दो बाइकों की टक्कर में दो घायल

लखनऊ,संवाददाता।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के भतोइया गांव में बृहस्पतिवार सुबह दो बाइकों की टक्कर हो गई। हादसे में दो लोग घायल हुए। ग्रामीणों ने उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया। हरदोई जिले के संडीला थाना क्षेत्र के कुन्ना निवासी अरविंद पत्नी सुनीता के साथ लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती अपने भाई को देखने जा रहे थे। इसी दौरान रहीमाबाद के दुनदाखेड़ा निवासी शबान अपने भाई मेराज के साथ बाइक से तीन दूध की कैन बांधकर जा रहा था। पुलिस पिकेट के पास शबान की बाइक ने अरविंद की बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। दोनों बाइकों पर सवार लोग सड़क पर गिर गए।

छात्र संघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर सांसद रमाशंकर राजभर की पहल, केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री ने दिया जवाब

◆ लिंगदोह समिति की सिफारिशों के तहत हो सकते हैं छात्र संघ चुनाव, विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी जिम्मेदारी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। सलेमपुर के समाजवादी पार्टी सांसद रमाशंकर राजभर ने 27 मार्च 2026 को लोकसभा में शून्य काल के दौरान उत्तर प्रदेश के केंद्रीय व राज्य विश्वविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव कराने का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि छात्र संघ चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसमें छात्र–छात्राओं को अपनी बात रखने का अवसर मिलता है।

इस सवाल का जवाब केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुकान्त मजूमदार ने देते हुए बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर मंत्रालय ने जे.एम. लिंगदोह की अध्यक्षता में समिति का गठन किया था। समिति ने 26 मई 2006 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। सर्वोच्च न्यायालय ने 22 सितंबर 2006 के आदेश में निर्देश दिया कि लिंगदोह समिति की सिफारिशों को छात्र संघ चुनावों के लिए विश्वविद्यालय–महाविद्यालयों द्वारा लागू किया जाए और उनका पालन किया जाए। यूजीसी ने भी सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन हेतु इन सिफारिशों को सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को भेजा है।

सांसद के मीडिया प्रभारी एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ के नेता रहे मंजूर आलम ने कहा कि छात्र संघ चुनाव केवल अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों के चयन तक सीमित नहीं है।

यह युवाओं को नेतृत्व करने, अपनी जिम्मेदारियां समझने और लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी निभाने का अवसर देता है।

कांग्रेस कार्यालय में इंदिरा गांधी की जयंती मनाई गयी

अमेठी,संवाददाता। शुकुल बाजार, अमेठी के ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में वीरवार को इंदिरा गांधी की जयंती मनाई गई। कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। एएच इंटर कॉलेज, मुसाफिरखाना के प्रवक्ता बृजेश चौधरी ने इंदिरा गांधी के जीवन, राजनीतिक नेतृत्व और देश के विकास में उनके योगदान पर बात की। उन्होंने हरित क्रांति, दुग्ध क्रांति, बैंकों के राष्ट्रीयकरण, भारत–पाकिस्तान युद्ध और बांग्लादेश निर्माण में उनकी भूमिका को याद किया। कार्यक्रम में देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए इंदिरा गांधी के बलिदान को भी याद किया गया। चंदा न्याय पंचायत अध्यक्ष सुभाष चंद्र दुबे, न्याय पंचायत अध्यक्ष प्रदीप कुमार शुक्ला, रामजस यादव, राजीव त्रिवेदी, मोहम्मद शमीम उर्फ पप्पू, किशनी हाजी सुलतान और तनवीर भाई समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता और ग्रामसभा अध्यक्ष भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक अध्यक्ष मजीद अहमद ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

डीएम ने निर्माणाधीन सड़क परियोजनाओं का किया स्थलीय निरीक्षण, गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

देवरिया, 19 नवंबर। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने भलुअनी–रुद्रपुर वाया पकड़ी मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य तथा देवरिया सदर ब्लॉक मुख्यालय संपर्क मार्ग के निर्माण की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों व कार्यदायी संस्था को मानकों के अनुरूप गुणवत्ता बनाए रखने व सभी कार्य समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

भलुअनी–रुद्रपुर वाया पकड़ी मार्ग

16.70 किमी लंबाई, लागत 42.06 करोड़ रुपये, स्वीकृति 5 जनवरी 2026, कार्य शुरू 20 मार्च 2026, पूर्ण होने की तिथि 19 जून 2027। चौड़ाई 3.75 मीटर से बढ़ाकर 5.50 मीटर



की जा रही है। अब तक 60: भौतिक प्रगति हुई है। 16.50 किमी में मिट्टी व जीएसबी, 12 किमी में डब्ल्यूएमएम, 9 किमी में डीबीएम तथा 1.50 किमी में डीएलसी का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष कार्य प्रगति पर है।

देवरिया सदर ब्लॉक संपर्क मार्ग

परसिया अहीर होते हुए बेलडाड़ रोड तक 650 मीटर लंबाई, लागत 5.80 करोड़ रुपये, स्वीकृति 13 नवंबर 2025, कार्य शुरू 4 फरवरी 2026, पूर्ण होने की तिथि 3 सितंबर 2026। चौड़ाई 3 मीटर से बढ़ाकर 5.50 मीटर की जा रही है। भौतिक प्रगति 98: बताई गई।

डीएम ने कहा कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, निर्धारित चौड़ाई व तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। अधिकारियों को नियमित स्थलीय निरीक्षण कर निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य ससमय गुणवत्ता से कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधित की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

रोडवेज बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर, तीन चालक घायल

बहराइच,संवाददाता। कैसरगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह करीब 7.30 बजे रोडवेज बस और ट्रक की आमने–सामने टक्कर हो गई। इसके बाद पीछे से आ रही कार भी बस से टकरा गई। हादसे में तीनों वाहनों के चालक घायल हुए। रोडवेज बस नंबर यूपी 78 केएन 0437 बहराइच की ओर जा रही थी। सामने से आ रहे ट्रक नंबर यूपी 32 एन 0311 से उसकी टक्कर हुई। बस चालक मोहम्मद सलमान निवासी फखरपुर और ट्रक चालक घायल हो गए। पीछे से आ रही आई–10 कार नंबर यूपी 40 बीएम 1323 भी बस से टकरा गई। कार चालक फखरुद्दीन निवासी फखरपुर को हल्की चोटें आईं। पुलिस ने एंबुलेंस से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैसरगंज पहुंचाया। वहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मौके पर यातायात संभाला। कैसरगंज थाना प्रभारी राजकुमार पांडे ने बताया कि हादसा कोहरे के चलते हुआ। उन्होंने कहा कि हादसे में किसी की मौत नहीं हुई।

खेल रहे बच्चे पर तेंदुए ने किया हमला

बहराइच,संवाददाता। शिवपुर ब्लॉक के गड़ेरियन पुरवा गांव में गुरुवार दोपहर घर के दरवाजे पर खेल रहे 10 साल के बच्चे पर तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुआ उसे करीब 10 मीटर तक घसीट ले गया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर वह बच्चे को छोड़कर झाड़ियों में भाग गया। गांव निवासी गोडाई का बेटा अम्बर दोपहर करीब 2 बजे घर के सामने खेल रहा था। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने उस पर हमला किया। बच्चों की चीख–पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शोर मचाया। हमले में अम्बर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन और ग्रामीण उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवपुर ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग ने टीम को मौके पर भेजा। रेंजर पीयूष गुप्ता ने बताया कि टीम तेंदुए के पगचिह्न देख रही है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने और इलाके में सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की है।

मॉर्निंग वॉक कर रहे पंचायत सचिव को ट्रक ने मारी टक्कर

बांदा,संवाददाता। बदौसा में गुरुवार सुबह मॉर्निंग वॉक कर रहे पंचायत सचिव प्रमोद सिंह पटेल को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा नेशनल हाईवे–35 पर निजामीनगर के पास सुबह करीब 6.30 बजे हुआ। कर्वी की ओर से आ रहे ट्रक की टक्कर से प्रमोद सिंह पटेल के सिर और दोनों पैरों में चोटें आईं। बदौसा पुलिस और ग्रामीणों ने उन्हें 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अतर्रा पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल, बांदा रेफर किया गया। बाद में उन्हें रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज, बांदा में भर्ती कराया गया। वहां उनका इलाज चल रहा है। बदौसा थाने के उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि दुर्घटना के बाद घायल पंचायत सचिव को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने ट्रक पकड़ लिया है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और पैदल चलने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

दुकान से 50 हजार का सामान चोरी

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन के कालपी नगर में चोरों के हौसले लगातार बुलंद नजर आ रहे हैं। चोरों ने सर्विस लेन स्थित मुन्ना फुल पॉवर चौराहे के पास तारिक शताब्दी ऑफिस के बगल में एक दुकान को निशाना बनाकर करीब 50 हजार रुपये कीमत का सामान चोरी कर लिया। हैरानी की बात यह है कि घटनास्थल से महज 80 मीटर की दूरी पर पुलिस पिकेट स्थित है, इसके बावजूद चोर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। दुकान मालिक तारिक मंसूरी पुत्र पीर बख्स के मुताबिक चोर दुकान के पीछे से अंदर घुसे और टीन के रास्ते नीचे उतरकर दुकान में रखा कैमरा, डीवीआर (क्ट) सहित अन्य कीमती सामान समेट ले गए। घटना की जानकारी होने पर पीड़ित ने कोतवाली कालपी पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी और चोरी का खुलासा कर कार्रवाई की मांग की।

दिव्यांग युवक का शव पेड़ से लटका मिला

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन कोतवाली क्षेत्र के सींगपुरा गांव में गुरुवार सुबह करीब 9 बजे 24 वर्षीय दिव्यांग प्रवेश कुमार का शव पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच के लिए जरूरी साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाकर अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पर हमले के चार आरोपी गिरफ्तार

अमेठी,संवाददाता। जिले में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पर हमला करने और उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। मामला मुंशीगंज थाना क्षेत्र के किटियावा गांव का है। बुधवार दोपहर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह बाजार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया और उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की। इसके बाद विजय सिंह थाने पहुंचे और नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस ने उन्हें मेडिकल जांच के लिए शाहगढ़ सीएचसी भेजा। मेडिकल कराने के बाद विजय सिंह घर लौट रहे थे। इसी दौरान उन पर दोबारा हमला किया गया। जान बचाने के लिए वह पड़ोस के गांव के प्रधान के घर चले गए। आरोप है कि वहां भी हमलावरों ने उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की।

बिरसामुण्डा जयन्ती पर जनजाति समुदाय के अतुलनीय योगदान को रेखांकित करेगा कार्यक्रम : जयवीर

लखनऊ,संवाददाता। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा है कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति में जनजातीय समुदाय के अतुलनीय योगदान को रेखांकित करने और लोक नायक बिरसामुण्डा की जयन्ती पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 23 से 26 नवम्बर तक यूपी दर्शन पार्क गोमतीनगर लखनऊ में जनजातीय गौरव पखवाड़ा और अन्तर्राष्ट्रीय जनजातीय भागीदारी उत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य जनजातीय समुदाय के रहन सहन, लोककला, विविधता, संस्कृति तथा समृद्ध विरासत को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना है। इन सभी कार्यक्रमों में प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। उन्होंने राजधानीवासियों से अपील की कि आयोजन में बढ़ चढ़कर भागीदारी करें।पर्यटन मंत्री गुरूवार को लोक भवन में अन्तर्राष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव के बारे में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ 23 नवम्बर, 2026 को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।1090 चौराहे से सांस्कृतिक समागम का आयोजन किया जायेगा, जिसमें विभिन्न राज्यों के 250 कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे और समागम यात्रा निकाली जायेगी। 25 एवं 26 नवम्बर को कजाकिस्तान, जिम्बाम्बे एवं मालद्वीप के कलाकार प्रस्तुतियां देंगे।कलाकार सहभागिता उत्सव में 12 राज्यों जिसमें महाराष्ट्र, सिक्किम, उड़ीसा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, बिहार, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल, असम, झारखण्ड और उत्तर प्रदेश के 500 से अधिक कलाकार पारम्परिक नृत्य, संगीत और वाद्ययंत्रों का प्रदर्शन करेंगे। हस्तशिल्प और कला मेला में 70 से अधिक हस्तशिल्प स्टॉल लगाये जा रहे हैं।

व्यंजन मेला अंतर्गत जेवनार एवं देशी स्वाद नाम से व्यंजन मेले के स्टॉल भी लगाये जायेंगे। साहित्यिक एवं विकास मंच को प्रोत्साहित करते हुए जनजाति साहित्य को समेटे जनजातीय लोककला एवं बोली विकास अकादमी जनजातीय संग्रहालय भोपाल, मध्य प्रदेश एवं अन्य प्रकाशनों द्वारा पोथी घर के साथ अन्य स्टॉल लगाये जायेंगे। कार्यक्रम में धरती आबा नाटक का मंचन किया जायेगा। जनजातीय समाज के उत्थान और विकास पर संगोष्ठी का आयोजन होगा। शिल्प मेले का आयोजन प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतिदिन सायं 5 बजे से प्रारम्भ होगा। मेले का समापन रात्रि 9 बजे तक होगा। इस भव्य आयोजन लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, जनजाति विकास विभाग, ट्राइबल रिसर्च इस्टीट्यूट, समाज कल्याण विभाग, पर्यटन व संस्कृति विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

भाजपा हर बूथ पर 50 नए वोटर जोड़ेगी मतदाता सूची पुनरीक्षण की तैयारी शुरू

गोण्डा,संवाददाता। भाजपा ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण और विधानसभा मतदाता सूची में छूटे पात्र लोगों के नाम जुड़वाने की तैयारी शुरू की है। आज गुरुवार सुबह 11 बजे से बूथ और विधानसभा स्तर पर बूथ लेवल एजेंटों को कार्यशालाओं में जानकारी दी गई। पार्टी ने हर बूथ पर कम से कम 50 नए वोटर जोड़ने का लक्ष्य रखा है। जिले की सभी सात विधानसभा सीटों पर निगरानी के लिए बीएलए–2 और 2,879 बूथों पर बीएलए–1 नियुक्त किए गए हैं। विधानसभावार कार्यशालाओं में पार्टी पदाधिकारियों और क्षेत्रीय विधायकों को भी शामिल किया गया है। भाजपा ने बूथ पदाधिकारियों को तीन तरह के मतदाताओं की पहचान करने की जिम्मेदारी दी है। इनमें वे युवा शामिल हैं,जो 1 जनवरी 2027 को 18 साल के हो रहे हैं। इस साल शादी के बाद गांव या मोहल्ले में आई नवविवाहित महिलाओं के नाम भी मतदाता सूची में जुड़वाए जाएंगे। ऐसे लोगों की भी पहचान की जा रही है, जिनका नाम पंचायत या नगर निकाय की मतदाता सूची में है, लेकिन विधानसभा की सूची में नहीं है। पात्र लोगों से जरूरी दस्तावेज लेकर फॉर्म–6 भरवाए जा रहे हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 22, 23 और 24 नवंबर को विशेष बूथ दिवस होंगे। इन दिनों मतदान केंद्रों पर नए वोटरों के नाम जुड़वाने के लिए बूथ पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई जा रही है। भाजपा के जिला अध्यक्ष अकबाल बहादुर तिवारी ने बताया कि विधानसभा निर्वाचक नामावली में छूटे हुए पात्र लोगों का नाम जुड़वाने के लिए बूथ स्तर पर बीएलए–1 को जिम्मेदारी दी गई है, जबकि इनकी निगरानी विधानसभा स्तर पर तैनात बीएलए–2 कर रहे हैं।

कार्यशालाओं के जरिए पदाधिकारियों को अभियान की बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी 22, 23 और 24 नवंबर को आयोजित होने वाले शविशेष बूथ दिवसश को लेकर भी पार्टी स्तर पर व्यापक तैयारियां चल रही हैं। इन तिथियों पर मतदान केंद्रों पर अधिक से अधिक नए नाम जुड़वाने के लिए बूथवार पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई जा रही है। भाजपा के जिला महामंत्री राकेश तिवारी ने बताया कि विधानसभा निर्वाचक नामावली में छूटे हुए पात्र लोगों का नाम जुड़वाने के लिए बूथ स्तर पर बीएलए–1 को जिम्मेदारी दी गई है, जबकि इनकी निगरानी विधानसभा स्तर पर तैनात बीएलए–2 कर रहे हैं। कार्यशालाओं के जरिए पदाधिकारियों को अभियान की बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है।

10 किशोर श्रमिक काम से मुक्त कराए, 15 दुकानों की जांच

बलरामपुर,संवाददाता। जिले में श्रम विभाग की संयुक्त टीम ने गैसड़ी और पचपेड़वा के बाजारों में जांच अभियान चलाया। टीम ने काम करते मिले 10 किशोर श्रमिकों को काम से मुक्त कराया और 20 दुकानों व प्रतिष्ठानों को बाल श्रम मुक्त घोषित किया। अभियान के दौरान 15 दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की गई। बाल श्रम मुक्त घोषित प्रतिष्ठानों पर जागरूकता स्टिकर लगाए गए। टीम ने संचालकों को बाल और किशोर श्रम रोकने से जुड़े कानूनों की जानकारी दी। उन्हें चेतावनी दी गई कि बच्चों से प्रतिबंधित काम कराने पर कानूनी कार्रवाई होगी। जिन प्रतिष्ठानों पर किशोर काम करते मिले, उनके खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। श्रम विभाग के मुताबिक, अभियान का उद्देश्य बाल श्रम पर कार्रवाई के साथ बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा के अधिकारों को सुनिश्चित करना है। मुक्त कराए गए बच्चों की पढ़ाई फिर शुरू कराने और पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है, ताकि बच्चे दोबारा काम करने को मजबूर न हों। संयुक्त जांच टीम में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) के अनिल कुमार यादव, श्रम प्रवर्तन अधिकारी रिजवान खान, जिला समन्वयक श्रम विभाग अजय कुमार यादव और भारतीय जनकल्याण सेवा संस्थान के सनी श्रीवास्तव शामिल थे। श्रम विभाग ने दुकानदारों, व्यापारियों और प्रतिष्ठान संचालकों से बाल एवं किशोर श्रम निषेध कानून का पालन करने की अपील की। विभाग ने कहा कि आने वाले दिनों में भी बाजारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जांच और जागरूकता अभियान जारी रहेगा।

पयागपुर तहसीलदार का पुष्पेंद्र गौतम ने कार्यभार संभाला

बहराइच पयागपुर तहसील में पुष्पेंद्र गौतम ने नए तहसीलदार के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीनों से अवैध कब्जे हटाने और फरियादियों को न्याय दिलाने को प्राथमिकता दी जाएगी। अंबिका प्रसाद चौधरी के तबादले के बाद गौतम कौशांबी जिले से पयागपुर आए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़ी समस्याओं का तय समय में समाधान किया जाएगा। गौतम के मुताबिक, तहसील में शिकायत लेकर आने वाले हर व्यक्ति की बात सुनी जाएगी। शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर नियम के मुताबिक समाधान किया जाएगा। लोगों को छोटे–बड़े कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जमीन के विवाद, पैमाइश, सीमांकन, वरासत और अवैध कब्जे से जुड़े मामलों में पारदर्शिता के साथ कार्रवाई होगी। तालाब, चकरोड, सार्वजनिक उपयोग की जमीन और दूसरी सरकारी संपत्तियों से कब्जे हटाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। तहसीलदार ने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारी से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का तय समय में निपटारा किया जाए और हर मामले की जांच के बाद निष्पक्ष फैसला लिया जाए।

रानी लक्ष्मीबाई जयंती पर संगोष्ठी

अमेठी,संवाददाता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने गुरुवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में मिशन साहसी अभियान के तहत संगोष्ठी की। यह कार्यक्रम रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर हुआ। छात्राओं को आत्मरक्षा, आत्मविश्वास और नारी सशक्तिकरण के बारे में बताया गया। उन्हें मुश्किल हालात में अपनी सुरक्षा करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परिषद गीत से हुई। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या और विशिष्ट अतिथि जिला युवा अधिकारी माल्या शर्मा ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. प्रियंका मौर्या ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का जीवन साहस और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने छात्राओं से उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करने को कहा। उन्होंने छात्राओं को संवैधानिक अधिकारों की जानकारी भी दी। डॉ. मौर्या ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए जागरूकता के साथ आत्मरक्षा का प्रशिक्षण जरूरी है। माल्या शर्मा ने कहा कि मिशन साहसी जैसे अभियान छात्राओं को मानसिक और शारीरिक रूप से सक्षम बनाने में मदद करते हैं। उन्होंने शिक्षा के साथ आत्मरक्षा और नेतृत्व क्षमता पर ध्यान देने की बात कही। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. फूलकली ने अतिथियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं को नई जानकारी और सीखने का मौका मिलता है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **10.12.2026 को 15.00 बजे तक** आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे, यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व घरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद, एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

1	निविदा सूचना संख्या	01182026 दिनांक 19.11.2026
2	निविदा संख्या	14-Sr.DEN-VI-LKO-2026-27
3	कार्य का नाम	वरि. मंडल इंजीनियर–VI के कार्यक्षेत्र में सहायक मण्डल इंजीनियर–प्रयाग के अंतर्गत पूरे माघ मेला–2027 के लिए पीआरजी, पीएफएम और पीवाईजीएस स्टेशन पर यात्रियों और कर्मचारियों के लिए सुविधा केंद्र और शिविर तथा अन्य संबद्ध सुविधाओं जैसे बैरिकेडिंग, बिस्तर आदि के लिए अस्थायी बुनियादी ढांचे का प्रावधान का कार्य।
4	अनुमानित लागत	रु. 1,24,73,575.86
5	घरोहर राशि	रु. 2,49,500.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से तीन माह
7	निविदा डालने का प्रारंभ	26.11.2026
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	10.12.2026, 15:00 बजे
9	वेबसाईट	www.ireps.gov.in

नोटः– 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 4032/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



साउथ एक्टर्स को हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल करना बिल्कुल सही नहीं है : अपेक्षा पोरवाल

जेलर 2 की एक्ट्रेस अपेक्षा पोरवाल ने कहा कि साउथ इंडियन एक्टर्स को उनके हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल किया जाना बिल्कुल सही नहीं है। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अपेक्षा ने बताया कि मजाक उड़ाने के बजाय एक्टर की मेहनत पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग एक्टर्स को ट्रोल कर रहे हैं, अगर उनसे कहा जाए तो शायद वे खुद भी कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाएंगे। अपेक्षा से पूछा गया, आजकल, साउथ इंडियन एक्टर्स को अक्सर सोशल मीडिया पर उनके हिंदी एक्सेंट और बोलने के तरीके के लिए ट्रोल किया जाता है। आप इस ट्रेंड को कैसे देखती हैं? क्या उन आर्टिस्ट्स का मजाक उड़ाना सही है, जो दूसरी भाषा में बात करने की कोशिश कर रहे हैं? यह समझाते हुए कि जिस भाषा को आप अच्छी तरह नहीं जानते, उसमें काम करना कितना मुश्किल है, उन्होंने आईएएनएस को बताया, हमें यह समझना चाहिए कि जब कोई किसी खास भाषा में कम्फर्टेबल नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे सीखने और बोलने की कोशिश कर रहा होता है, तो हमें उस कोशिश की तारीफ करनी चाहिए, न कि उस पर हंसना या उसे ट्रोल करना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि अगर इन्हीं ट्रोल्स से दूसरी भाषा बोलने के लिए कहा जाए, तो शायद वे खुद ऐसा नहीं कर पाएंगे। जब कोई कड़ी मेहनत कर रहा हो और कोशिश कर रहा हो, तो उसकी तारीफ होनी चाहिए, बुराई नहीं। एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को हाल ही में अपने हिंदी एक्सेंट के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। चौट शो कॉफी विद करण के सीजन 9 में आने के दौरान एनिमल फेम एक्ट्रेस ने बताया कि अपने पूरे करियर में उन्हें अपने एक्सेंट को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है। हालांकि, रश्मिका ने कहा कि उन्होंने कभी भी आलोचना को अलग–अलग फिल्म इंडस्ट्री और भाषाओं में काम करने से रोकने नहीं दिया। रश्मिका ने बताया कि साउथ इंडिया से होने की वजह से उनका एक्सेंट नेचुरली आता है। एक्ट्रेस ने आगे जोर देकर कहा कि वह खुद को एक इंडस्ट्री तक लिमिट करने के बजाय कई भाषाओं में काम करना चाहती हैं।

सेब बनाम नाशपाती: इनमें से कौन सा फल है अधिक हाइड्रेटिंग ? जानिए

सेब और नाशपाती दोनों ही ऐसे फल हैं जो बहुत सारे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, लेकिन अक्सर लोग यह सोचते हैं कि इनमें से किसका सेवन शरीर को अधिक पानी पहुंचाने में मददगार होता है, खासकर गर्मियों में जब शरीर को अधिक पानी की जरूरत होती है। इस लेख में हम इन दोनों फलों की विशेषताओं की तुलना करेंगे ताकि आप सही चयन कर सकें और अपने शरीर को भरपूर पानी दे सकें।

सेब की विशेषताएं

सेब में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो इसे गर्मियों के लिए एक अच्छा फल बनाता है। एक मध्यम आकार का सेब लगभग 85 प्रतिशत पानी से भरा होता है।

इसके अलावा इसमें विटामिन–सी, फाइबर और ऐसे तत्व होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। सेब का सेवन करने से पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है और यह वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

नाशपाती भी पानी से भरपूर



फल है, जिसमें लगभग 84 प्रतिशत पानी होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन–सी, विटामिन–के और पोटेशियम जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं।

नाशपाती का सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और शरीर को साफ रखने में मदद मिलती है।

इसके फाइबर युक्त गुण पाचन को स्वस्थ रखते हैं और कब्ज की समस्या से राहत दिलाते हैं।

सेब और नाशपाती में अंतर

सेब और नाशपाती दोनों में पानी की मात्रा लगभग समान होती है, लेकिन सेब में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। इसलिए यह पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में अधिक प्रभावी हो सकता है, वहीं नाशपाती में विटामिन–सी और पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होते हैं।

दोनों ही फल स्वादिष्ट होने के साथ–साथ स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं, इसलिए इन्हें अपनी डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

किसका चयन करना चाहिए?

अब सवाल उठता है कि इन दोनों में से किसका चयन करना चाहिए?

अगर आप अधिक हाइड्रेशन चाहें तो दोनों ही फल अच्छे विकल्प हैं, लेकिन अगर आपको पाचन संबंधी समस्याएं हैं तो सेब का चयन करें क्योंकि इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन को सुधारती है, वहीं अगर आप रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना चाहते हैं तो नाशपाती बेहतर विकल्प होगा क्योंकि इसमें विटामिन–सी की मात्रा अधिक होती है।

वॉटर स्कीइंग का शौक वरुण धवन को पड़ा भारी, अगली फिल्म की शूटिंग से पहले हुए चोटिल

अभिनेता वरुण धवन इन दिनों काम से ब्रेक लेकर बीच वेकेशन का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी छुट्टियों की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिनमें वह समुद्र किनारे मस्ती करते, पिज्जा खाते, सर्फिंग करते और अलग–अलग एडवेंचर का मजा लेते नजर आ रहे हैं। इस बीच वरुण ने बताया कि अपने अगले प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने से पहले वॉटर स्कीइंग करते हुए उनकी कलाई में चोट लग गई है। वरुण ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की, जिनमें उनकी छुट्टियों के अलग–अलग पल देखने को मिल रहे हैं। कहीं वह समुद्र किनारे पिज्जा खाते नजर आ रहे हैं, तो कहीं नहाने का आनंद ले रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने पैडल खेलते हुए, समुद्र में सर्फिंग करते हुए और डूबते सूरज का खूबसूरत नजारा देखते हुए भी तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, इंद्रधनुष देखा। सातवीं तस्वीर देखना मत भूलिए, यह मेरी सबसे पसंदीदा याद है। वहीं, समुद्र किनारे पिज्जा खाते हुए तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, बीच पर पिज्जा खाया। इसके अलावा, उन्होंने अपने दूसरे अनुभवों को छोटे–छोटे कैप्शन के जरिए बताया। इनमें खुले में नहाना, पैडल खेलना और सनसेट देखना शामिल रहा। हालांकि, अपनी छुट्टियों के दौरान किए गए एडवेंचर के बारे में बताते हुए वरुण ने एक ऐसी बात साझा की, जिसने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने लिखा, वॉटर स्कीइंग की और शूटिंग शुरू करने से पहले मेरी कलाई में चोट लग गई। अभिनेता ने वॉटर स्कीइंग करते हुए एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह पानी पर इस एडवेंचर का आनंद लेते दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान उनकी कलाई चोटिल हो गई। वर्कफ्रंट की बात करें तो वरुण धवन बदलापुर, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, अक्टूबर, जुगजुग जियो, भेड़िया और बेबी जॉन जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। वह पिछली बार फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में दिखाई दिए थे। इस फिल्म के जरिए उन्होंने लंबे समय बाद अपने पिता और फिल्ममेकर डेविड धवन के साथ काम किया था। फिल्म में मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी मुख्य भूमिकाओं में थीं। यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

प्रेग्नेंसी में हुई बीमारी का सालों बाद दिखता है असर, डिलीवरी के 10 साल बाद मां को शुरु होती है दिक्कतें

प्रेग्नेंसी का समय चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि बढ़ते भ्रूण के हिसाब से शरीर में कई बदलाव होते हैं। बच्चे के जन्म के बाद भले ही धीरे– धीरे सब ठीक लगने लगत है लेकिन प्रेग्नेंसी की कुछ बातें सालों बाद भी आपकी सेहत पर गहरा असर डालती है। चलिए जानते हैं



प्रेग्नेंसी में होने वाली दिक्कतें जैसे हाई ब्लड प्रेशर से लेकर जेस्टेशनल डायबिटीज तक भविष्य में दिल की सेहत के बारे में कैसे संकेत दे सकती हैं।

गायनेकोलॉजिस्ट के अनुसार कुछ महिलाओं में इस दौरान होने वाली परेशानियां हाई ब्लड प्रेशर या मेटाबोलिक गड़बड़ी जैसी समस्याओं का संकेत हो सकती हैं, जो आगे चलकर और साफ तौर पर सामने आ सकती हैं। रिसर्च से पता चला है कि प्री–एक्लेम्पसिया, जेस्टेशनल हाइपरटेंशन और जेस्टेशनल डायबिटीज जैसी स्थितियों का संबंध भविष्य में दिल से जुड़ी समस्याओं के ज्यादा जोखिम से है। उदाहरण के लिए अगर किसी महिला को 30 साल की उम्र में प्रेग्नेंसी के दौरान हाई ब्लड प्रेशर की समस्या होती है, तो डिलीवरी के बाद उसका ब्लड प्रेशर नॉर्मल हो सकता है। 40 या 45 साल की उम्र में हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हमेशा के लिए हो सकती है।

डिलीवरी के 10 साल बाद शुरू होती है दिक्कत

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, जिन महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान हाइपरटेंशन से जुड़ी समस्याएं हुई हैं, उनमें डिलीवरी के 10–20 साल या उसके बाद क्रोनिक हाइपरटेंशन होने का खतरा दो से चार गुना ज्यादा होता है। इसी तरह, जेस्टेशनल डायबिटीज से प्रभावित प्रेग्नेंसी के बाद ब्लड शुगर का लेवल भी नॉर्मल हो सकता है, लेकिन डॉक्टर ने चेतावनी दी कि यह घटना भविष्य में डायबिटीज और दिल की बीमारियों के बढ़ते खतरे का संकेत हो सकती है। डॉक्टर ने साफ किया कि मुश्किल प्रेग्नेंसी का मतलब यह नहीं है कि महिला को आगे चलकर दिल की बीमारी होगी ही।

प्रेग्नेंसी के बाद महिलाएं इन बातों का रखें ख्याल

गायनेकोलॉजिस्ट के अनुसार उन महिलाओं को अपनी सेहत पर नजर रखने की सलाह दी, जिन्हें पहले प्री–एक्लेम्पसिया, जेस्टेशनल हाइपरटेंशन या जेस्टेशनल डायबिटीज की समस्या रही हो, भले ही बच्चे के जन्म के बाद वे ठीक महसूस कर रही हों। जैसे नियमित हेल्थ चेकअप के जरिए ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल और वजन पर नजर रखें। फिजिकली एक्टिव रहें, संतुलित डाइट लें, पूरी नींद लें और तंबाकू से दूर रहें। प्रेग्नेंसी में हुई किसी भी मुश्किल के बारे में डॉक्टर को जरूर बताएं, भले ही वह प्रेग्नेंसी कई साल पहले हुई हो। डॉक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि बच्चे की देखभाल में मां अपनी सेहत को नजरअंदाज कर सकती है। कभी–कभी, बिना किसी साफ लक्षण के, कई साल गुजर जाते हैं और सही हेल्थ चेकअप नहीं हो पाता। हो सकता है कि बच्चा अब 10, 20 या 30 साल का हो गया हो, लेकिन उस प्रेग्नेंसी के दौरान सेहत से जुड़े जो संकेत मिले थे, उन्हें भूलना नहीं चाहिए।

दीपिका पादुकोण के माता–पिता से मुलाकात के लिए खास तैयारी, जब रणवीर सिंह ने बताया था राज

एक्टर रणवीर सिंह अपने यूनिक और एक्सपेरिमेंटल फैशन सेंस के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, वह एक बार कॉफी विद करण में अपनी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की को–स्टार आलिया भट्ट के साथ आए, तो बताया था कि जब वह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण के माता–पिता से मिलने बेंगलुरु जाते हैं, तो उनके पास एक अलग वॉर्डरोब होता है। रणवीर ने माना कि वह अपने पसंद के कपड़ों को फेंकना नहीं चाहते। होस्ट करण जौहर ने धुरंधर फेम एक्टर को यह भी बताया कि वह और दीपिका बहुत अलग–अलग तरह के फैमिली बैकग्राउंड से आते हैं। जब करण जौहर ने रणवीर से पूछा कि उन्होंने यह कैसे मैनेज किया, तो उन्होंने जवाब दिया, मैं अभी भी मैनेज कर रहा हूं। मैं अभी भी इसे समझ रहा हूं। शुरुआत के लिए, मेरे पास अब दो वार्डरोब हैं। जब मैं बेंगलुरु जाता हूं, तो एक स्पेशल वार्डरोब होता है। सफेद टी–शर्ट और नीली जींस। मैं उन्हें उतारना नहीं चाहता। उन्होंने यह भी माना कि शुरू में दीपिका के परिवार को उनसे घुलने–मिलने में थोड़ा समय लगा, लेकिन एक बार घुलने–मिलने के बाद, वे बहुत करीब आ गए। रणवीर ने कहा, शुरू में, वे पूरी तरह से हैरान थे, जैसे, यह कौन है, यह क्या है? खासकर दीपिका की मां। सच कहूं तो, उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि मेरे बारे में क्या सोचें। हमें एक–दूसरे से घुलने–मिलने में समय लगा, लेकिन अब वह मेरी मां जैसी हैं। रणवीर और दीपिका के साथ के सफर की बात करें तो दोनों ने गोलियों की रासलीला राम–लीला (2013), बाजीराव मस्तानी (2015), पद्मावत (2018) और 83 (2021) जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में स्क्रीन शेयर की है। दोनों ने नवंबर 2018 में इटली के लेक कोमो में एक छोटी लेकिन शानदार सेरेमनी में शादी की थी। रणवीर और दीपिका ने 8 सितंबर, 2024 को अपने पहले बच्चे, बेटी दुआ का स्वागत किया। कपल को हाल ही में 19 सितंबर 2026, को एक और बेटी, देवी का आशीर्वाद मिला।



सीए सैंडपेपरगेट कांड एक फोरम बनाएगा, खिलाड़ियों और स्टाफ के अनुभव गोपनीय रखे जाएंगे

ऑस्ट्रेलियाई, एजेंसी। क्रिकेट के बारे में बातचीत का हिस्सा रहे हैं। यह कई लोगों के लिए एक मुश्किल चौप्टर रहा है और, तेजी से, चल रही बहस खेल से ध्यान भटकाने वाली बन गई है। हमारा मानना है कि अब सर्किट ब्रेकर का समय आ गया है। यह फोरम अतीत पर फिर से बात करने के बारे में नहीं है। यह उन लोगों के लिए एक मौका बनाने के बारे में है जो एक सम्मानजनक माहौल में अपनी कहानियां सुनाना चाहते हैं, और हमारे खेल को सुनने के लिए। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट तब सबसे मजबूत होता है जब वह एकजुट होता है। हम उन सभी के प्रति जिम्मेदार हैं जो खेल से प्यार करते हैं कि हम समझ, सम्मान और नजरिए के साथ एक साथ आगे बढ़ने की हर मुमकिन कोशिश करें। एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर, मैं जानता हू कि क्रिकेट हमें सबसे जरूरी चीजों में से एक देता है, वे रिश्ते जो हम बनाते हैं और



वह दोस्ती जो खेल करियर खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है। मेरी उम्मीद है कि यह प्रक्रिया उन कनेक्शन को मजबूत करने में मदद कर सकता है और हमें आगे क्या होने वाला है, इस पर ध्यान देने दे सकता है। डेविड बून ने कहा, मैं सभी को प्रोत्साहित करूंगा कि वे इस प्रक्रिया को सम्मानपूर्वक और निजी तौर पर आगे बढ़ने दें। हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि खेल आगे भी बढ़ता रहे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, पिछले सप्ताह हमने 2018 में केपटाउन टेस्ट में जो हुआ उसके बारे में कई अलग–अलग बातें सुनी हैं। यह खेल और इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत मुश्किल और असहज समय रहा है। तब जो हुआ और जो अब भी हो रहा है, उसका उस समय के कल्चर से बहुत कुछ लेना–देना है। एक ऐसा कल्चर जिसे बनाने में सीए का हाथ था। इस बात को एथिक्स सेंटर रिपोर्ट के आने और उसके बाद 42 में से 36 सिफारिशों को अपनाने से पहचान मिली। हमें उस कल्चर पर गर्व है जो टीम ने पिछले आठ सालों में बनाया है। हमारे खिलाड़ी, हमारे लीडर और हमारे कोच इसके लिए बहुत बड़ा श्रेय पाने के हकदार हैं। हम सैंडपेपरगेट से जुड़ी घटनाओं से हुए दर्द और तकलीफ को समझते हैं। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहें तो दृ इस समय खेल को नुकसान हो रहा है।

हवाई अड्डों पर अडानी रिवॉर्ड्स सदस्यता कार्यक्रम किया शुरू

जयपुर, एजेंसी। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने मुंबई, नवी मुंबई और जयपुर सहित कंपनी द्वारा संचालित आठ हवाई अड्डों पर अडानी रिवॉर्ड्स सदस्यता कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत यात्रियों को सालाना 65,000 रुपए तक के लाभ मिलेंगे। हवाई अड्डा प्रशासन के अनुसार, अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने यात्रियों को ये सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जयपुर सहित देश के आठ हवाई अड्डों पर नया सदस्यता कार्यक्रम अडानी रिवॉर्ड्स शुरू किया है। अडानी वन ऐप के साथ एकीकृत इस कार्यक्रम में सदस्यता की श्रेणी के आधार पर खरीदारी और खानपान पर छूट, लाउंज में निःशुल्क प्रवेश, प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षा जांच, पार्किंग की सुविधा और यात्रियों को उनकी जरूरत के मुताबिक हवाई अड्डे पर विशेष सहायता मिलेगी।

भारत के खिलाफ मैच में फिलिस्तीन के खिलाड़ियों पर नस्लवाद का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने कुआलालंपुर में खेले गए एफसी अंडर–17 एशियन कप 2027 क्वालिफायर में फिलिस्तीन को 4–1 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे को नस्लभेदी व्यवहार का सामना करना पड़ा। घटना के कैमरे में रिकॉर्ड होने के बाद भी रेफरी ने कोई एक्शन नहीं लिया। मुकाबले में भारत और फिलिस्तीन दोनों टीमें क्वालिफाइंग ग्रुप में टॉप स्पॉट के लिए लड़ रही थीं। इस वजह से दोनों टीमें एक दूसरे पर हावी होने का प्रयास कर रही थीं। इस दौरान फिलिस्तीनी खिलाड़ी बार–बार भारतीय खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से चुनौती देने और परेशान करने की कोशिश कर रहे थे। विवाद तब बढ़ गया जब फिलिस्तीन के नंबर 19 खिलाड़ी को भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे के पास



नाक पर पंखा झलते हुए देखा गया। इस हरकत को नस्लभेदी माना गया। लाइव ब्रॉडकास्ट में दिखने के बावजूद, मैच अधिकारियों ने इस घटना पर बिना किसी कार्रवाई के खेल जारी रहने दिया। फिलिस्तीनी खिलाड़ी मोहम्मद जमहूर ने नौवें मिनट के आस–पास एक भारतीय खिलाड़ी को पीछे से दो बार लात मारी और फिर फुटबॉलर के जमीन पर गिरने के बाद उसके हाथ पर पैर पटक दिया। इस घटना के बाद रेफरी ने फिलिस्तीन के खिलाड़ी को रेड कार्ड दिया था। मैच के दौरान इन तनावपूर्ण क्षणों को बावजूद भारतीय टीम ने अपना धैर्य नहीं खोया और शानदार प्रदर्शन करते हुए 4–1 के अंतर से जोरदार जीत हासिल की।

फ्रेंडली मैच में अर्जेंटीना ने कोस्टा रिका को 7–0 से हराया

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। निको पाज, जूलियन अल्वारेज और फ्रैंको मास्टैंटुओनो के दो–दो गोल की मदद से अर्जेंटीना ने एक मैत्री मैच में कोस्टा रिका को 7–0 से हरा दिया। कोस्टा रिका ने एक तिहाई से भी कम पजेशन पर कंट्रोल किया। टीम मुश्किल से अपने अटैकिंग थर्ड में घुस पाई। गेम शुरू होने के सिर्फ सात मिनट बाद, पाज ने पेनल्टी एरिया के किनारे पर एक रिबाउंड पर झपट्टा मारा और एक शानदार फिनिश के साथ पहला गोल किया। गोल के बाद के मिनट पूरी तरह से लियोनेल स्कालोनी की टीम के कंट्रोल में थे, जिन्होंने मिडफील्डर्स के बीच बॉल को मूव किया और विंग्स से अटैक करने की कोशिश की। इसके बावजूद, कोस्टा रिका ने एक काउंटर–अटैक के बाद कप्तान एमिलियानो मार्टिनेज को एक शानदार सेव करने पर



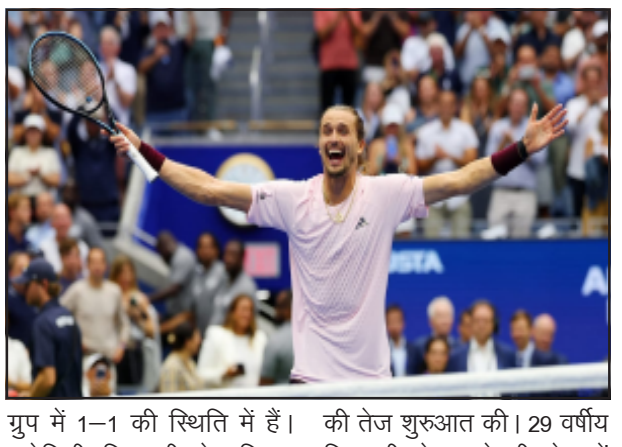
मजबूर कर दिया। बाद में, लगभग 30 मिनट के बाद, नेशनल टीम ने एक और अच्छा अटैकिंग खेल दिखाया। कुछ देर बाद, एन्जो फर्नांडीज की एक शानदार थ्रू बॉल और गिया के विंग से नीचे दौड़ने के बाद, जूलियन अल्वारेज को पास मिला और उन्होंने मैच का दूसरा गोल किया। फिर, पाज ने एक सोलो रन बनाया, एक डिफेंडर को पीछे छोड़ते हुए, अंदर कट करते हुए, और एक जोरदार शॉट मारा जो पैट्रिक सेक्वेरा को छकाते हुए टॉप कॉर्नर में चला गया।

यूएई ने पापुआ न्यू गिनी को 70 रनों से रौंदा

नयी दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 में बुधवार को यूएई ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पापुआ न्यू गिनी को 70 रनों से हराया। वहीं, स्कॉटलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ 8 विकेट से जीत दर्ज की। यूएई बनाम पापुआ न्यू गिनीरू यूएई ने टूर्नामेंट के 17वें मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 134 रन बनाए। टीम की ओर से शानदार फॉर्म में चल रहीं कप्तान ईशा ओजा ने 64 गेंदों में 77 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। हालांकि, यूएई की बाकी बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं। 135 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पापुआ न्यू गिनी की पूरी टीम 18.1 ओवर में सिर्फ 64 रन बनाकर सिमट गई।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बनाई एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह, बेन शेल्टन को हराया

ट्यूरिन, एजेंसी। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने राउंड–रॉबिन मुकाबले में बेन शेल्टन को हराकर साल 2026 के एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। जर्मन खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शेल्टन को 6–2, 7–6(4) से हराया। एक घंटे और 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। ज्वेरेव इस प्रतिष्ठित सीजन–एंडिंग टूर्नामेंट में नौवीं बार हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने 2018 में लंदन में और 2021 में ट्यूरिन में ट्रॉफी जीती थी। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, 2018, 2019, 2021 और 2024 के बाद यह पांचवीं बार है जब वह इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। शेल्टन, जो लगातार दूसरे साल इस सीजन–फिनाले में खेल रहे हैं, अब जॉन मैकेनरो



ग्रुप में 1–1 की स्थिति में हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर फिल्स को हराकर एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब उनका ध्यान गुरुवार को राफेल जोडार के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर है। खचाखच भरे इनल्पी एरिना में ज्वेरेव ने पहले सेट की तेज शुरुआत की। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले ही गेम में शेल्टन की सर्विस तोड़कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली। इसके बाद पांचवें गेम में उन्होंने शेल्टन की सर्विस को एक बार फिर तोड़ा और सेट में 4–1 की बढ़त बना ली। दूसरा सेट काफी कड़ा रहा, जिसमें सर्विस का दबदबा देखने को मिला। 4–4 के स्कोर पर, 15ध्40 के मौके पर ज्वेरेव के पास सेट का पहला ब्रेक प्वाइंट था। अगर वह इसे जीत जाते, तो उन्हें मैच के लिए सर्विस करने का मौका मिल जाता। हालांकि, शेल्टन ने शानदार वॉली और फिर एक ऐस की मदद से इन मौकों को टाल दिया और अंततरू 5–4 की बढ़त ले ली। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, ज्वेरेव ने टाई–ब्रेक में अपना संयम बनाए रखा और एक जबरदस्त फोरहैंड शॉट लगाकर सीधे सेटों में जीत हासिल की। इसके साथ ही, इस सीजन में उनकी जीत की संख्या 67 हो गई है।

स्पाइसजेट के निदेशक मंडल ने 5,500 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय संकट से जूझ रही एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट के निदेशक मंडल ने बुधवार को कंपनी की वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए 5,500 करोड़ रुपए तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। स्पाइसजेट वित्तीय और परिचालन संबंधी कई चुनौतियों का सामना कर रही है। कंपनी ने बयान में कहा कि बुधवार को हुई निदेशक मंडल की बैठक में संभावित नए निवेशकों के साथ निवेश को लेकर चल रही बातचीत की जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, निदेशक मंडल ने कंपनी की वित्तीय स्थिति मजबूत करने, परिचालन क्षमता बढ़ाने और एयरलाइन को फिर से पटरी पर लाने के लिए 5,500 करोड़ रुपए तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। निदेशक मंडल ने प्रबंधन को इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने की दिशा में काम करने का निर्देश भी दिया है। बयान में कहा गया, प्रस्तावित पूंजी जुटाने की प्रक्रिया इक्विटी और अन्य वित्तीय माध्यमों से पूरी की जा सकती है। इसके लिए जरूरी मंजूरियां लेनी होंगी। इसके अलावा, निदेशक मंडल ने कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी 2,000 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 7,500 करोड़ रुपए करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इसके लिए शेयरधारकों और नियामकीय मंजूरी लेनी होगी। स्पाइसजेट ने कहा कि वह बेहद चुनौतीपूर्ण माहौल में परिचालन कर रही है। भू–राजनीतिक घटनाक्रम और हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियों से उसके परिचालन पर दबाव पड़ा है। कंपनी ने कहा, पिछले कुछ महीनों में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतें दोगुने से अधिक बढ़ गई हैं। इससे परिचालन लागत में काफी इजाफा हुआ है।

माइक्रोसॉफ्ट ने इग्नाइट कॉन्फ्रेंस में एजेंटिक एआई टूल्स और कोपायलट वर्कस्पेस को किया लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने बुधवार को अपने वार्षिक तकनीकी सम्मेलन श्इग्नाइटश्च में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े कई नए प्रोडक्ट्स, मॉडल और इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड पेश किए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्या नडेला ने एआई के इस्तेमाल से कारोबार और उपयोगकर्ताओं के लिए वास्तविक परिणाम हासिल करने की कंपनी की रणनीति साझा की। यह घोषणा सॉफ्टवेयर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी द्वारा माइक्रोसॉफ्ट 365 में आई बड़ी वैश्विक तकनीकी बाधा के कारणों का खुलासा करने के कुछ दिनों बाद की गई है। नडेला ने एक्स पर लिखा, आज इग्नाइट में हम जिन भी चीजों की घोषणा कर



रहे हैं, उनके पीछे हमारा उद्देश्य तकनीकी प्रगति को लोगों, संगठनों और पूरे समाज के लिए वास्तविक परिणामों और नए अवसरों में बदलना है। इन घोषणाओं में सबसे प्रमुख श्कोपायलट वर्कस्पेसश्च रहा। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जिसे साझा संदर्भ और समान उद्देश्यों के आधार पर लोगों तथा एआई एजेंट्स को मिलकर काम करने में सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी ने माइक्रोसॉफ्ट–डिसीजन 1.1, कोड 2 और साइबर 2 फ्लैश सहित कई नए एआई मॉडल भी पेश किए। कंपनी के अनुसार, साइबर 2 फ्लैश कम लागत पर अत्याधुनिक एआई मॉडल से बेहतर सुरक्षा क्षमताएं प्रदान करता है। इसके अलावा, कंपनी ने अपने फाउंड्री प्लेटफॉर्म पर ओपनएआई के जीपीटी–6.2 को शामिल करके अपने मॉडल इकोसिस्टम का विस्तार किया है। इसके साथ ही मेटा के नवीनतम मॉडल भी इस प्लेटफॉर्म पर जोड़े गए हैं। अन्य उत्पादों की लॉन्चिंग के तहत माइक्रोसॉफ्ट ने श्एजेंट 365 बिजनेस एनालिटिक्सश्च की घोषणा की। नडेला ने इसे एआई के लिए ईआरपी सिस्टम बताया, जो कंपनियों को एआई पर होने वाले खर्च को कारोबारी नतीजों से जोड़ने और निवेश पर रिटर्न को बेहतर बनाने में मदद करेगा। नडेला ने कहा कि श्माइक्रोसॉफ्ट परसेप्शनश्च अब आम उपयोग के लिए उपलब्ध है। इसके जरिए सुरक्षा टीमें और एआई एजेंट्स मिलकर मशीन की गति से साइबर खतरों की पहचान कर सकेंगे और उनका जवाब दे सकेंगे। कंपनी ने श्एआई ट्रांसपेरेंसी इनिशिएटिवश्च भी लॉन्च किया। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि वह जवाबदेह, सत्यापन योग्य और सुरक्षित एआई सिस्टम के लिए खुले मानक विकसित करने के उद्देश्य से 40 से अधिक संगठनों के साथ काम कर रही है। माइक्रोसॉफ्ट ने एज्योर पर अपनी डिस्ट्रिब्यूटेड पोस्टग्रेएसक्यूएल डेटाबेस सेवा श्होराइजनडीबीश्च को भी आम उपयोग के लिए उपलब्ध कराने की घोषणा की। कंपनी के अनुसार, यह सेवा खुद से प्रबंधित पोस्टग्रेएसक्यूएल सिस्टम की तुलना में आठ गुना तक बेहतर प्रदर्शन दे सकती है।

अमेरिका में ब्याज दर बढ़ने की उम्मीद से सोने और चांदी धड़ाम

मुंबई, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को बड़ी गिरावट देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 3 प्रतिशत कम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,34,223 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,31,065 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सुबह 11रू30 बजे यह 2,642 रुपए या 1.97 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,31,581 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,31,065 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,34,223 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है। जानकारों ने बताया कि सोने में कमजोरी की वजह दिसंबर में अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना है।

चीन पर शिकंजा कसने की तैयारी, व्यापारिक रियायतें खत्म कर आयात शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव के बीच अमेरिकी सीनेटर टैमी बाल्डविन ने चीन को मिलने वाली स्थायी सामान्य व्यापारिक संबंध (पीएनटीआर) की सुविधा समाप्त करने के लिए विधेयक पेश किया है। इसके तहत अमेरिका में आने वाले चीनी सामानों पर अधिक आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। यह सब कुछ ऐसे समय में हो रहा है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की तैयारी कर रहे हैं। विस्कॉन्सिन से डेमोक्रेटिक सीनेटर बाल्डविन ने मंगलवार को श्एंडिंग चाइना स्पेशल ट्रीटमेंट एक्टश्च पेश करने की घोषणा की। उनके कार्यालय के अनुसार, विधेयक का उद्देश्य चीन को मिलने वाली व्यापारिक रियायतें समाप्त करना और अमेरिकी विनिर्माण उद्योग तथा कामगारों के हितों को प्राथमिकता देना है। प्रस्ताव के मुताबिक, यदि यह विधेयक कानून बनता है तो



एक साल बाद चीन का स्थायी सामान्य व्यापारिक संबंध का दर्जा समाप्त हो जाएगा। इसके बाद चीनी आयात पर अमेरिकी हार्मोनाइज्ड टैरिफ शेड्यूल के कॉलम–2 में निर्धारित शुल्क दरें लागू होंगी। ये दरें चीन पर फिलहाल लागू सामान्य शुल्क दरों से अधिक हैं। हालांकि, अलग–अलग उत्पादों के हिसाब से इनमें अंतर होगा। इसका अर्थ यह नहीं है कि अमेरिका चीन से आने वाले सभी सामानों पर एक समान दर से शुल्क लगाएगा। यह विधेयक अभी केवल एक विधायी प्रस्ताव है। इसके पेश होने से आयातकों को चुकाए जाने वाले मौजूदा शुल्क में तत्काल कोई बदलाव नहीं होगा। बाल्डविन ने कहा, श्हमें ऐसी व्यापार व्यवस्था की जरूरत है, जो अमेरिकी कामगारों, कंपनियों और परिवारों को प्राथमिकता दे।श्च उन्होंने चीन पर बाजार में हेरफेर, बौद्धिक संपदा की चोरी और अमेरिकी विनिर्माताओं को नुकसान पहुंचाने वाली नीतियां अपनाने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने ट्रंप प्रशासन की बदलती व्यापार नीतियों की भी आलोचना की। उनका कहना है कि इन नीतियों से कंपनियों और उपभोक्ताओं की लागत तथा अनिश्चितता बढ़ी है, लेकिन अमेरिका में विनिर्माण क्षेत्र की नौकरियां वापस लाने में अपेक्षित मदद नहीं मिली है। बाल्डविन के कार्यालय के अनुसार, विधेयक का एक उद्देश्य चीन के साथ व्यापारिक शुल्क व्यवस्था को कानून के दायरे में लाना है, ताकि यह केवल राष्ट्रपति के कार्यकारी फैसलों पर निर्भर न रहे और न ही बार–बार कानूनी चुनौतियों के कारण बदलती रहे। इस प्रस्ताव में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय को चीन से जुड़ी व्यापारिक और आर्थिक चुनौतियों पर रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी भी दी गई है।

दो दिन की तेजी पर लगा ब्रेक

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख और घरेलू स्तर पर मुनाफावसूली के दबाव में स्थानीय शेयर बाजार दो कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद बुधवार को नुकसान के साथ बंद हुए। बी.एस.ई. का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 500.38 अंक यानी 0.61 प्रतिशत गिरकर 82,031.81 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 751.72 अंक यानी 0.91 प्रतिशत तक गिरकर 81,780.47 अंक पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एन.एस.ई.) का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 159.45 अंक यानी 0.63 प्रतिशत गिरकर 25,227.95 अंक पर बंद हुआ। बाजार में आई इस गिरावट के कारण निवेशकों को 409,183.7 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन सबसे ज्यादा 4.82 प्रतिशत गिरा।

अदाणी ग्रुप ने अपने सभी 8 हवाई अड्डों पर अगली पीढ़ी का अदाणी रिवाई्स सदस्यता कार्यक्रम लॉन्च किया

जयपुर, एजेंसी। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने जयपुर सहित अपने सभी आठ हवाई अड्डों पर अगली पीढ़ी के श्अदाणी रिवार्ड्सश्च सदस्यता कार्यक्रम को लॉन्च करने की घोषणा की है। अदाणी वनऐप के साथ एकीकृत यह कार्यक्रम, जो हवाई अड्डे से जुड़ी सेवाओं के लिए एएएचएल का डिजिटल प्लेटफॉर्म है, यात्रा, खानपान, खरीदारी, लाउंज की सुविधा और हवाई अड्डे की अन्य सेवाओं को एक ही सदस्यता कार्यक्रम के तहत उपलब्ध कराता है। कंपनी के अनुसार, यात्री इस ऐप के माध्यम से ऑफर्स देख सकते हैं, रिवार्ड्स का लाभ उठा सकते हैं और सेवाओं की अग्रिम बुकिंग कर सकते हैं। एएएचएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरुण बंसल ने कहा, अदाणी रिवार्ड्स 1.0 के तहत 70 लाख यात्रियों का पंजीकरण हुआ, जो हवाई अड्डों के साथ अधिक जुड़ाव वाली सेवाओं की मांग को दर्शाता है। हमारा अगली पीढ़ी का सदस्यता कार्यक्रम इसी आधार पर तैयार किया गया है, जिसमें हमारे नेटवर्क के सभी हवाई अड्डों पर यात्रा, रिटेल, खानपान और आतिथ्य सेवाओं से जुड़े लाभों को एक ही कार्यक्रम के तहत उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि यात्री हवाई अड्डे को केवल उड़ान पकड़ने की जगह के रूप में न देखें।

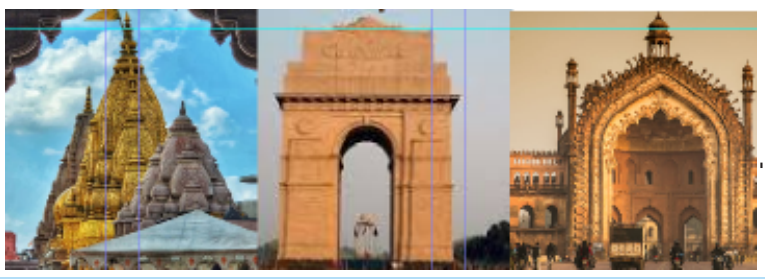
प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई.: UPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे
कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी

लोक हस्तक्षेप



अंबाला सेंट्रल जेल को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग

बार एसोसिएशन ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन, सेल्यूलर जेल की तर्ज पर संग्रहालय बनाने की अपील

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के अंबाला में 1857 की क्रांति के स्मारक के बाद अब 154 साल पुरानी अंबाला सेंट्रल जेल को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग उठी है। अंबाला जिला बार एसोसिएशन ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा केंद्र व राज्य सरकार को ज्ञापन भेजकर इस ऐतिहासिक परिसर को अंडमान की सेल्यूलर जेल की तर्ज पर स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय एवं शोध केंद्र के रूप में विकसित करने की अपील की है।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट रोहित जैन ने बताया कि 1857 की क्रांति का नया स्मारक इस जेल की ऐतिहासिक विरासत का विकल्प नहीं हो सकता, क्योंकि दोनों का महत्व अलग है। साल 1872 में अंग्रेजों द्वारा स्थापित इस जेल का स्वतंत्रता संग्राम के कई अहम पड़ावों से गहरा नाता रहा है।

ज्ञापन में जेल के गौरवशाली इतिहास का हवाला देते हुए बताया गया है कि लॉर्ड हार्डिंग पर बम फेंकने वाले क्रांतिकारी बसंत कुमार विश्वास और 1915 के सैन्य विद्रोह के 12 क्रांतिकारियों को यहीं फांसी दी गई थी। इसके अलावा सुचेता कृपलानी, राजकुमारी अमृत कौर और भगत सिंह की बहन बीबी अमर कौर जैसी विभूतियां भी यहां बंदी रहीं। 15 नवंबर 1949 को महात्मा गांधी की हत्या के दोषी नाथूराम गोडसे और नारायण आप्टे को भी इसी जेल में फांसी हुई थी। यहां आखिरी फांसी 1989 में दी गई थी।

एसोसिएशन ने आशंका जताई है कि भविष्य में जेल के दूसरी जगह शिफ्ट होने पर इस ऐतिहासिक इमारत की अनदेखी हो सकती है। मांग की गई है कि विशेषज्ञों की एक समिति बनाकर पुरानी बैरकों, कोठरियों और फांसीघर को मूल स्वरूप में सुरक्षित रखा जाए तथा यहां क्रांतिकारियों की स्मृतियों से जुड़ा संग्रहालय और शलाइट एंड साउंड शोश शुरू किया जाए।

सेना ने एक्टिवेट किया एयर डिफेंस सिस्टम

कुवैत सिटी, एजेंसी। मध्य पूर्व और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते भू–राजनीतिक व सैन्य तनाव के बीच कुवैत में ड्रोन हमलों का हाई अलर्ट जारी किया गया है। कुवैती सेना ने बुधवार को पुष्टि की कि देश की हवाई रक्षा प्रणालियां सक्रिय रूप से शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही हैं। सेना के जनरल स्टाफ ने स्पष्ट किया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में सुनाई दे रही तेज धमाकों की आवाजें इन हवाई हमलों को हवा में ही रोकने (इंटरसेप्ट करने) की कार्रवाई का नतीजा हैं। कुवैती आर्मी ने सोशल मीडिया पर जारी किया बयान, ईरानी मीडिया ने दी विस्फोटों की खबरहवाई हमलों को नाकाम करने में जुटी सेनारू कुवैत आर्मी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, कुवैत की हवाई रक्षा प्रणालियां इस समय शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही हैं।

ईरान का दावा, कुवैत में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर पैट्रियट मिसाइल सिस्टम को बनाया निशाना

तेहरान, एजेंसी। ईरानी सेना ने दावा किया है कि उसने बुधवार तड़के कुवैत स्थित अली अल सलेम एयरबेस पर अमेरिकी सैन्य उपकरणों को निशाना बनाया। बाद में कुवैत ने भी एक बयान जारी कर इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। ईरानी सेना के मुताबिक, इस हमले में अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के साथ ड्रोन और मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म को निशाना बनाने के लिए लड़ाकू और आत्मघाती ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, सेना के जनसंपर्क कार्यालय ने एक बयान जारी कर हमले की जानकारी दी। सरकारी टेलीविजन आईआरआईबी पर भी बयान प्रसारित किया गया। बताया गया कि ईरानी ड्रोन ने कुवैत में अमेरिकी सैन्य उपकरणों को निशाना बनाया। बयान में कहा गया कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की सेना के लड़ाकू और आत्मघाती ड्रोनों



ने बुधवार सुबह अली अल सलेम एयरबेस पर मौजूद पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम और ड्रोन तथा मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म पर हमला किया। अली अल सलेम एयरबेस को क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बताया गया। ईरानी सेना के मुताबिक, यह एयरबेस सैन्य परिवहन का प्रमुख केंद्र है और पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य बलों की तैनाती के लिए अहम प्रवेश द्वार की भूमिका निभाता है। यह अमेरिकी सेना की क्षेत्रीय सैन्य और लॉजिस्टिक रणनीति में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कुवैत के विदेश मंत्रालय ने इस अटैक को लेकर बयान जारी किया। इसमें अमेरिकी अड्डे का जिक्र नहीं किया गया।

हरियाणा में बढ़ रहे पराली दहन के मामले

एफ आई आर और रेड एंट्री की कार्रवाई

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा में पराली जलाने के मामलों में पिछले कुछ दिनों में बढ़ोतरी हुई है। सप्ताहभर के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि प्रदेश में रोजाना औसतन 10 से 12 मामले सामने आ रहे हैं। कैथल, जींद, करनाल, कुरुक्षेत्र और फतेहाबाद में पराली जलाने के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। अब तक 103 किसानों पर एफआईआर दर्ज की गई है और 6.55 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, हरियाणा में 15 सितंबर से अब तक पराली जलाने के कुल 286 मामले रिकॉर्ड किए गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 78 मामले कैथल में सामने आए हैं। इसके बाद जींद में 43, फतेहाबाद में 29, करनाल में 23 और कुरुक्षेत्र में 20 मामले दर्ज हुए हैं। पलवल में 17, रोहतक में 12, हिसार में 10, हांसी में 7 और सिरसा में 6 मामले सामने आए हैं। अकेले कैथल में पराली जलाने पर 38 और जींद में 20 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ प्रशासन की ओर से लैंड रिकॉर्ड में रेड एंट्री करने का भी प्रावधान है। अब तक ऐसे 38 मामले दर्ज किए गए हैं। सोनीपत में सबसे ज्यादा 8 रेड एंट्री हुई हैं। वहीं अंबाला, फतेहाबाद, हिसार और कुरुक्षेत्र में 5–5 रेड एंट्री की गई हैं। रेड एंट्री होने पर किसान के लिए जमीन बेचना या हस्तांतरित करना आसान नहीं रहता। इसके अलावा बैंकों से फसल ऋण या जमीन पर अन्य कर्ज लेने में परेशानी होती है। कई सीजन तक एमएसपी पर फसल बेचने में भी दिक्कत आ सकती है।

केमेरोवो क्षेत्र में एन–12 सैन्य मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त

मॉस्का, एजेंसी। रूस के साइबेरिया क्षेत्र में एक बड़ा सैन्य विमान हादसा हो गया। केमेरोवो क्षेत्र के एक सुनसान इलाके में रूसी सेना का एन–12 मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार सभी 19 लोगों की मौत हो गई। रूसी सरकारी मीडिया ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से इस दर्दनाक हादसे की पुष्टि की है। शुरुआती तौर पर तकनीकी खराबी को दुर्घटना का संभावित कारण माना जा रहा है, जिसे लेकर रूसी विमानन अधिकारियों ने विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

एडवोकेट रविंद्र जैन ने जीएमडीए सीईओ दुष्यंत कुमार बेहरा का किया स्वागत

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । वरिष्ठ अधिवक्ता रविंद्र जैन ने गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) दुष्यंत कुमार बेहरा से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर एडवोकेट रविंद्र जैन ने सीईओ दुष्यंत कुमार बेहरा को पुष्पगुच्छ (बुके) भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया तथा पदभार ग्रहण करने पर शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान एडवोकेट रविंद्र जैन ने शहर के प्रमुख हरित क्षेत्र एवं सेक्टर–29 स्थित लेजरवैली पार्क के बारे में सीईओ को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पार्क की



वर्तमान स्थिति, वहां आने वाले शहरवासियों की सुविधाओं, स्वच्छता, हरियाली संरक्षण और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि लेजरवैली पार्क न केवल आसपास के सेक्टरों बल्कि पूरे गुरुग्राम के नागरिकों के लिए सुबह–शाम की सैर, योग और पारिवारिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए इसका सुचारु रखरखाव अत्यंत आवश्यक है।

सीईओ दुष्यंत कुमार बेहरा ने लेजरवैली पार्क से जुड़े सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और सकारात्मक रुख अपनाते हुए आवश्यक सुधार एवं बेहतर रखरखाव का आश्वासन दिया। एडवोकेट रविंद्र जैन ने उम्मीद जताई कि सीईओ के कुशल नेतृत्व में गुरुग्राम के प्रमुख पार्कों और सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण व जनसुविधाओं में और अधिक तेजी आएगी।

दिल्ली में प्रदर्शनों से कारोबार प्रभावित होने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दल्ली में विरोध–प्रदर्शनों के कारण कारोबार प्रभावित होने का आरोप लगाने वाली व्यापारियों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), सीजेपी और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) को नोटिस जारी किया है। याचिका किराना कमेटी दिल्ली और दिल्ली आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट एसोसिएशन की ओर से दाखिल की गई है। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि दिल्ली में पिछले महीने हुए प्रदर्शनों के कारण सेंट्रल दिल्ली में व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। व्यापारियों ने विरोध–प्रदर्शनों और रैलियों पर रोक लगाने की मांग की है। व्यापारियों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने अदालत को बताया कि जंतर–मंतर पर होने वाले प्रदर्शनों से कारोबार प्रभावित होता है।



21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली